RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) वर्ष : 32 अंक : 33 सोमवार 17 से 23 नवंबर, 2025 पृष्ठः 08 मूल्य : ₹3/=

सरदार पटेल ने अखंड भारत की जो नींव रखी, उसे पीएम मोदी मजबूत कर रहे हैं: भूपेंद्र चौधरी

...3

'बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है'

पीएम मोदी बोले- कांग्रेस को अब कोई नहीं बचा सकता, बिहार ने दिया जवाब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि जनता ने जातिवाद का जहर उगलने वालों को नकार दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि नया 'माई' फॉर्मूला महिला और युवा हैं, जिन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को निर्णायक जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार का ऐतिहासिक विजय हुआ हो, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है। इसलिए गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए मेरी स्वाभाविक जिम्मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं।

मोदी ने आगे कहा कि आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में भी काम दिया था तब भी हमारा एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- नेशन फर्स्ट। यही मंत्र हमारे लिए हिंदुस्तान का हर कोना, हिंदुस्तान का हर राज्य, हर भाषा-भाषी नागरिक... ये हमारे लिए पूजनीय है, वंदनीय है। इसलिए बिहार का भी गौरव करना, बिहार के सामर्थ्य को स्वीकार करना... ये हमारे लिए बहुत सहज बात है।

मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए गठबंधन जो विजयी हुआ है और महागठबंधन जो पराजित हुआ है... दोनों के बीच 10 प्रतिशत वोट का फर्क है, ये बहुत बड़ी बात है। यानी, सामान्य मतदाता ने एकतरफा मतदान किया, ये बिहार के विकास के प्रति ललक है। उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार की टैलेंट आपको नजर आएगी। अब बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मिजाज दिखा रहा है। इस चुनाव में उस मिजाज के दर्शन हुए हैं। महिला-युवा एक ऐसा माई कॉम्बिनेशन बना है, जिसने आने वाले दशकों की राजनीति का नींव मजबूत कर दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि ये मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग... नामदार के हरकतों से दुखी है। कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है।

मोदी ने कहा कि बिहार में, सार्वजनिक भूमि पर अक्सर अतिक्रमण करके उसे वक्फ संपत्ति बना दिया जाता था। हमने तमिलनाडु में भी ऐसी ही स्थिति देखी, जहाँ सदियों पुराने गाँवों को भी वक्फ घोषित कर दिया गया। तभी हमने वक्फ कानून में सुधार किए। एक नेता जो अब जमानत पर बाहर है, अपने सहयोगियों के साथ कानून की प्रतियां फाड़कर कहता था कि वे बिहार में इसे कभी नहीं होने देंगे। लेकिन बिहार की जनता ने इस सांप्रदायिक जहर को पूरी तरह से नकार दिया और विकास का रास्ता चुना।

19 नवंबर को भंग होगी बिहार विधानसभा, सीएम नीतीश कुमार ने राज्यपाल को सौंपा प्रस्ताव

नई दिल्ली। आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए बड़ा दिन है। पहले सीएम मंत्रिमंडल की बैठक में यह वर्तमान सरकार की अंतिम कैबिनेट खत्म हो गई। इस बैठक में 17वीं विधानसभा भंग करने की सिफारिश की गई। सभी मंत्रियों ने अपना इस्तीफा दे दिया। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे। वहां उन्होंने कुछ राज्यपाल से बातचीत की। इसके बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को विधानसभा भंग करने का प्रस्ताव सौंप दिया। 19 नवंबर को मौजूदा विधानसभा भंग हो जाएगी। जनता दल यूनाईटेड विजय चौधरी ने कहा कि राजभवन में सीएम नीतीश कुमार ने विधानसभा भंग करने का प्रस्ताव राज्यपाल को सौंप दिया।

मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि कैबिनेट की बैठक में विधानसभा भंग करने की सिफारिश कर दी गई है। 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण होगा। पीएम मोदी भी इसमें शामिल होंगे। इधर, कैबिनेट की बैठक शुरू होने से पहले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सीएम हाउस पहुंचे। उनके साथ कुछ अन्य मंत्री भी थे। इसके बाद सभी मंत्री सीएम नीतीश कुमार के साथ सचिवालय पहुंचे। यहां बैठक शुरू हुई। इधर, सचिवालय के अंदर किसी को भी अंदर जाने नहीं दिया गया। राजभवन के बाहर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

इधर, राजभवन से निकलने के बाद नीतीश कुमार अपनी पार्टी के नेताओं के साथ विधायक दल की बैठक

करेंगे। जदयू के नेता सीएम नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुनेंगे। मंगलवार भाजपा के विधायक दल की बैठक होगी। गुरुवार को नई सरकार का गठन होगा। नीतीश कुमार 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

गांधी मैदान में पांच हजार वीआईपी आएंगे

इधर, गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी शुरू हो चुकी है। आम लोगों के लिए 17 से 20 नवंबर को प्रवेश में पाबंदी लगा दी गई है। गांधी मैदान में लगभग 5000 वीवीआईपी अतिथियों के बैठने के लिए एक विशेष खंड तैयार किया जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा समेत सभी भाजपा और एनडीए शासित मुख्यममंत्री के साथ-साथ विपक्ष के कुछ बड़े चेहरे भी शामिल हो सकते हैं।

शोधार्थियों और विश्वविद्यालयों का समाज से सीधा संवाद होना चाहिए: मोहन भागवत

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि समाज किन बातों से लाभान्वित होता है, यह समझने के लिए शोधार्थियों और विश्वविद्यालयों को समाज से सीधा संवाद बढ़ाना होगा। कुछ विषय केवल ज्ञान के होते हैं, जबकि कई विषय समाज के उपयोग और उत्थान से जुड़े होते हैं। इसलिए विश्वविद्यालयों का समाज से जुड़ाव मजबूत और निरंतर होना चाहिए।

सरसंघचालक जी रविवार को मालवीय नगर स्थित पाथेय कण संस्थान के सभागार में आयोजित 'युवा शोधार्थी संवाद - शाश्वत मूल्य, नए आयाम' कार्यक्रम में युवा शोधार्थियों से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने शोधार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

उन्होंने कहा कि आज संघ के बारे में चर्चा बहुत होती है, इसमें संघ के हितैषी भी हैं और बहुत से संघ के विरोधी भी हैं। हितैषी प्रचार-प्रसार में बहुत पीछे हैं, जबकि विरोधी इस काम में बहुत आगे हैं। उन्होंने एक झूठ का जाल बुन दिया है, इसलिए संघ के बारे में जानना है तो इसके मूल स्त्रोतों पर जाइये। संघ साहित्य में क्या है, इसे जमीन पर जाकर देखिए। इसी के आधार पर अपनी धारणा बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि संघ को प्रत्यक्ष देखना है तो संघ की शाखा में जाइये। दायित्ववान स्वयंसेवकों का जीवन देखेंगे तो संघ समझ में आएगा।

उन्होंने जीवन और कार्य-दोनों को साधने के लिए शाखा को आवश्यक बताते हुए कहा कि शाखा से अनुशासन, सामूहिकता, स्वभाव सुधार और अहंकार नियंत्रण का संस्कार प्राप्त होता है। संघ का काम केवल व्यक्ति निर्माण का है और इसकी पद्धति शाखा है। संघ केवल शाखा चलाता है, जबकि स्वयंसेवक सब कुछ करते हैं।

समाज परिवर्तन का काम स्वयंसेवक करते हैं। यही कारण है कि स्वयंसेवकों ने समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य खड़े किए हैं। स्वयंसेवकों के समर्पण से ही संघ कार्य चलता है। हमारें यहां किसी चीज का अभाव भी नहीं और प्रभाव भी नहीं, इसलिए सब कुछ ठीक चलता है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी कारण शाखा से जुड़ना संभव न हो तो भी व्यक्ति अपने कार्य को उत्कृष्टता, निस्वार्थता और प्रामाणिकता से करे, यही राष्ट्र सेवा है। संघ के प्रति बाहरी छवि के आधार पर निर्णय न लेने की अपील की। संघ का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन के आधार पर व्यवस्था परिवर्तन कर देश को श्रेष्ठता की दिशा में ले जाना है।

उन्होंने कहा कि संघ आज बड़े स्वरूप में है और उसकी कीर्ति स्थापित है। फिर भी संघ का लक्ष्य कीर्ति अर्जन नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण है। यह काम अकेले संघ या किसी एक संगठन के प्रयास से नहीं हो सकता, इस काम के लिए पूरे समाज को साथ आना होगा। यदि संगठन संतुष्ट होकर ठहर जाए तो उसकी उपयोगिता धीरे-धीरे समाप्त हो सकती है, इसलिए निरंतर सक्रियता आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि संगठन का मूल लक्ष्य देश का उत्थान है। यह केवल संघ का काम नहीं, हम सबका काम है। डॉक्टर, इंजीनियर, कलाकार हर किसी की तरह नियमित अभ्यास आवश्यक है।

संवाद कार्यक्रम में राजस्थान के 34 विश्वविद्यालयों से 260 शोधार्थी एवं अध्येता शामिल हुए। कार्यक्रम में राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश चन्द्र अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राम मंदिर के ध्वजारोहण पर दिल्ली विस्फोट का साया अब समारोह में मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे मेहमान

नई दिल्ली। दिल्ली विस्फोट के बाद राम मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करते हुए ट्रस्ट और प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। ध्वजारोहण समारोह में आने वाले किसी भी मेहमान को मोबाइल फोन लेकर मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। शुरूआत में मेहमानों को मोबाइल साथ ले जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ाने की सिफारिश की। इसके बाद ट्रस्ट और प्रशासन ने संयुक्त समीक्षा के बाद मोबाइल पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है।

25 नवंबर को राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह आयोजित है।

समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समेत आठ हजार मेहमान शामिल होंगे। मेहमानों को भेजे गए आमंत्रण पत्र में बताया गया था कि 25 नवंबर को सभी को सुबह आठ से 10 बजे के भीतर मंदिर में प्रवेश करना होगा। वे अपने साथ मोबाइल रख सकते हैं, लेकिन अब इस निर्णय को बदल दिया गया है। मेहमानों को खाली हाथ समारोह के लिए आना होगा। समारोह को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। राम जन्मभूमि परिसर में अतिरिक्त मेटल डिटेक्टर, डॉग स्क्वॉड और सर्विलांस बढ़ाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार बड़े आयोजन, बढ़ती भीड़ और राष्ट्रव्यापी सतर्कता को देखते हुए यह कदम आवश्यक था।

मंदिर के आसपास 247 निगरानी के लिए नए कैमरे, हाईटेक कंट्रोल रूम और अतिरिक्त सुरक्षा कर्मी तैनात किए जा रहे हैं। प्रशासन ने सभी आगंतुकों से अनुरोध किया है कि वे मोबाइल साथ न लाकर सहयोग करें, ताकि मंदिर परिसर में सुरक्षा, अनुशासन और व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

मां ने लगाई मासूम के जीवन की गुहार, सीएम योगी ने तत्काल करवाई इलाज की व्यवस्था

लखनऊ। सोमवार की सुबह एक मां के जीवन में उम्मीद की किरण लेकर आया, जब वह 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए सात माह के मासूम की बीमारी के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने महिला की बात सुनी और तत्काल उन्हें एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर हृदय संबंधी बीमारी से जूझ रहे बच्चे का इलाज शुरू हो गया। वहीं 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से 60 से अधिक फरियादी आए, मुख्यमंत्री ने सभी के पास पहुंचकर उनकी शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को समय से निराकरण का निर्देश दिया।

लखनऊ के राजेंद्र नगर, ऐशबाग की रहने वाली एक महिला सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में लगाए गए 'जनता दर्शन' में पहुंचीं। उन्होंने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। वे किराए के मकान में रहकर अत्यंत सीमित संसाधन में जीवनयापन कर रही हैं। उनके सात माह के मासूम को हृदय से संबंधित बीमारी है। उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता कर दी जाए। मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को दुलारा-पुचकारा और महिला को आश्वस्त किया कि आप बेफिक्र रहिए, सरकार मदद करेगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उस बच्चे को तत्काल एंबुलेंस से केजीएमयू भिजवाया और वहां कुलपति को निर्देशित किया कि बच्चे के उपचार की तत्काल व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के आदेश के उपरांत वहां मासूम का इलाज प्रारंभ हो गया है। 'जनता दर्शन' में बुलंदशहर निवासी अर्धसैनिक बलों के जवान भी पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपनी जमीन के कब्जे संबंधी शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे प्रार्थना पत्र लिया और कहा कि आपकी ड्यूटी देश की सीमा या देश की आंतरिक सुरक्षा में लगी होगी, आप ड्यूटी निभाइए। आपके परिवार की जिम्मेदारी सरकार पर है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस मामले की जांच कराने और जल्द समाधान का निर्देश दिया।

'जनता दर्शन' में सोमवार को प्रदेश भर के 60 से अधिक फरियादी पहुंचे। मुख्यमंत्री स्वयं सभी के पास पहुंचे। एक-एक करके सभी का प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं, फिर संबंधित अधिकारियों को निराकरण के आदेश दिए। इस दौरान जमीन कब्जा, आर्थिक सहयोग, पुलिस, बिजली समेत अनेक विभागों से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोग पहुंचे थे। सीएम ने फरियादियों को आश्वस्त किया कि आपकी सुरक्षा और सेवा सरकार का कर्तव्य है। सरकार पहले दिन से ही इस इस ध्येय के साथ कार्य कर रही है।

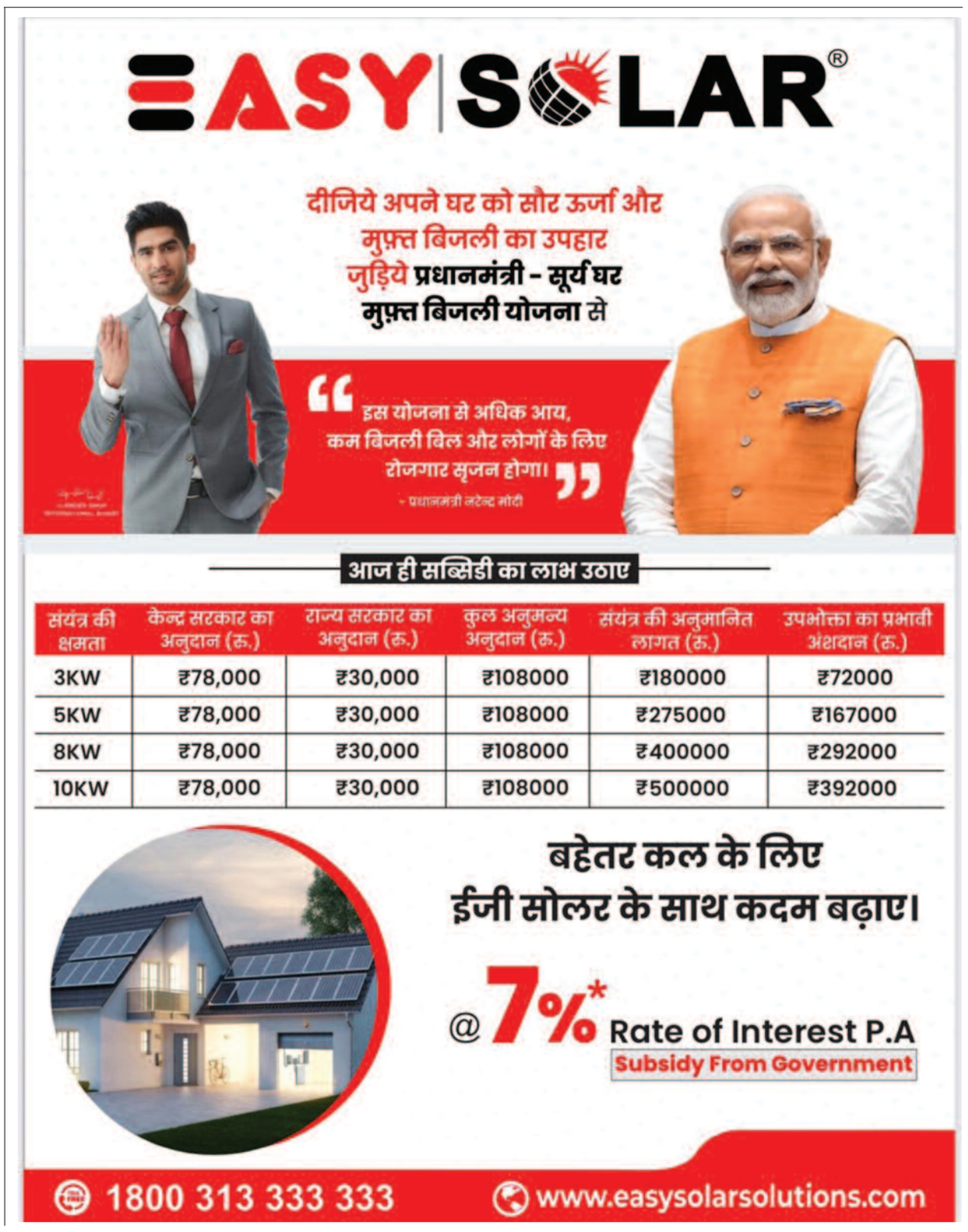

गाजियाबाद में वॉकथॉन के जरिए सड़क सुरक्षा और जागरूकता का संदेश

सड़क सुरक्षा और जागरूकता फैलाने के लिए पुलिस और नागरिकों ने मिलकर किया अभियान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- सांसद, विधायक और मेयर ने यातायात नियमों का पालन जीवन बचाने का कर्तव्य बताया
- छात्र, एनसीसी कैडेट्स और स्वयंसेवी संगठनों ने हाथों में संदेश लेकर जागरूकता बढ़ाई
- मुख्य आकर्षण लोकगायक मासूम शर्मा और कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी ने बढ़ाई उत्साह की रौनक

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश शासन एवं यातायात निदेशालय लखनऊ के निदेशों के तहत मनाए जा रहे यातायात माह नवंबर-2025 के अवसर पर रविवार को यातायात कमिश्नरेट पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने हेतु भव्य वॉकथॉन का आयोजन किया गया।

यह वॉकथॉन सिविल डिफेंस के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक ने उत्साहपूर्ण भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रातः 8 बजे कविनगर रामलीला मैदान से किया गया। वॉकथॉन शास्त्रीनगर चौराहा, हापुड़ चुंगी, कविनगर सी-ब्लॉक मार्केट और केडीबी तिराहा होते हुए पुनः रामलीला मैदान पर संपन्न हुआ।

इस दौरान पुलिस कमिश्नर जे. रवींद्र गौड़, एडिशनल सीपी कानून-व्यवस्था एवं यातायात आलोक प्रियदर्शी, एडिशनल सीपी मुख्यालय एवं अपराध केशव चौधरी, डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी, एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी सहित अनेक पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

वॉकथॉन के दौरान सांसद अतुल गर्ग, पूर्व सांसद अनिल अग्रवाल, मेयर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, विधायक नंदकिशोर गुर्जर तथा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग जीवन बचाने का सबसे सरल उपाय है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से कहा कि बढ़ते यातायात के बीच नियमों का पालन ही दुर्घटनाओं को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ऐसे आयोजन का उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना है, ताकि गाजियाबाद दुर्घटना-मुक्त शहर के रूप में उदाहरण बन सके। सभी ने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन कर समाज के लिए प्रेरणा बनें।

वॉकथॉन में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी, औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि, सिविल डिफेंस कोर्डिनेटर ललित जायसवाल, डीवीएफ टीम, एनसीसी कैडेट्स, प्रशिक्षणरत आरक्षी तथा पुलिस मॉडर्न स्कूल और आईटीएस कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। वॉकथॉन के दौरान छात्र-छात्राओं और एनसीसी कैडेट्स ने हाथों में यातायात जागरूकता से जुड़े संदेशों वाली दफ्तियाँ और तिरंगा झंडा लेकर लोगों को हेलमेट व सीट बेल्ट उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचाव तथा सड़क सुरक्षा के महत्व की जानकारी दी। वॉकथॉन के समापन पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश भावनात्मक और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया। मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध लोकगायक मासूम शर्मा और भारतीय कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी रहे, जिनकी उपस्थिति ने युवाओं में उत्साह और ऊर्जा को और भी बढ़ा दिया।

अंत में गाजियाबाद यातायात पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए सदैव यातायात नियमों का पालन करें, क्योंकि सड़क सुरक्षा ही जीवन रक्षा का सबसे मजबूत आधार है।

सिक्योरिटी गार्ड/बाउन्सर्स को जनसामान्य / स्थानीय निवासियों के साथ सम्मान पूर्वक बर्ताव रखने के लिए दिलाएं प्रशिक्षण: जिलाधिकारी

सिक्योरिटी गार्ड/बाउन्सर्स द्वारा पहने जाने वाली पौशाक ऐसी न हो जो जनता को यह दिग्भ्रमित करें

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। रविन्द कुमार माँदड़ जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया कि जनपद वासियों के जीवन की रक्षा करना, उन्हें भयमुक्त वातावरण प्रदान करना, तथा सभी के न्याय की रक्षा करना जिला प्रशासन का मूल दायित्व है। जनता दर्शन के दौरान मेरे समक्ष प्रायः शिकायतें प्राप्त हो रहीं है कि विभिन्न आरडब्लूए/ एओए/ विकासकर्ता / निजी व्यक्तियों द्वारा सेक्योरिटी गार्ड/बाउन्सर्स रखे जा रहें है, जो भिन्न-भिन्न प्रकार की वर्दी पहनते है तथा सोसाईटी/अन्य तमाम जगहों पर साथ में रहकर लोगों को डराते धमकाते है एवं जनसामान्य में भय का माहौल पैदा करते है। इस तरह का बर्ताव कदापि उचित एवं स्वीकार योग्य नही है। मेरे द्वारा जनपद की समस्त आरडब्लूए/ एओए/ विकासकर्ता/ निजी व्यक्तियों से अपील की जाती है कि वह अपने साथ रखे गये सेक्योरिटी गार्ड/ बाउन्सर्स को जनसामान्य / स्थानीय निवासियों के साथ सम्मानपूर्वक एवं सौहार्दपूर्ण बर्ताव रखने के लिए अपने स्तर से प्रशिक्षण दिलायें एवं निर्देशित करें। सभी सेक्योरिटी गार्ड/बाउन्सर्स भी सुनिश्चित करें कि उनका बर्ताव लोगों के प्रति सम्मानपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण हो। सभी सेक्योरिटी गार्ड/बाउन्सर्स यह भी सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा पहने जाने वाली पौशाक शालीन हो। उनके द्वारा पहने जाने वाली पौशाक ऐसी न हो जो जनता को यह दिग्भ्रमित करें कि उक्त सेक्योरिटी गार्ड/बाउन्सर्स पुलिस या सैन्य बल का सदस्य है। यदि आरडब्लूए/ एओए/ विकासकर्ता/ निजी व्यक्तियों अथवा सेक्योरिटी गार्ड/ बाउन्सर्स द्वारा किसी के जनमानस के साथ दुर्व्यवहार किये जाने की, अथवा उपरोक्त निदेशों से इतर बर्ताव की कोई भी शिकायत संज्ञान में लायी जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

बार चुनाव परिणाम: ब्रह्मदेव त्यागी अध्यक्ष व वरुण त्यागी सचिव बने

ब्रह्मदेव त्यागी ने 78 मतों से अतुल्य कुमार शर्मा को हराया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार को बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के लिए हुए चुनाव का परिणाम देर रात घोषित कर दिया गया। ब्रह्मदेव त्यागी बार के नए अध्यक्ष अध्यक्ष और वरुण त्यागी सचिव पद पर विजयी घोषित किया। इनके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर आदेश कुमार गर्ग कनिष्क उपाध्यक्ष विनय कुमार पवार.कोषाध्यक्ष. खुशनुमा परवीन , सह सचिव (प्रशासन) . सुनील कुमार व सचिव पुस्तकालय पद पर अमित कुमार पाल विजयी घोषित किये गये हैं।

अध्यक्ष पद पर विजय प्रत्याशी ब्रह्मदेव त्यागी को 995 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिदंदी अतुल कुमार शर्मा को 917 वोट प्राप्त हुए इस तरह से ब्रह्मदेव त्यागी ने 78 मतों से अपनी जीत दर्ज कराई। अध्यक्ष पद के अन्य उम्मीदवारों में मनीष कुमार त्यागी को 497, नरेश चौधरी को 290, राकेश कुमार त्यागी निवाड़ी को 33 और चंद्रकांत शर्मा को सबसे कम केवल 9 वोट मिले। अध्यक्ष पद के लिए डाले गए वोटों में 43 वोट निरस्त पाए गए।

सचिव पद के विजय प्रत्याशी वरुण कुमार त्यागी 891 वोट पाकर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी हरेंद्र कुमार गौतम 143 मतों से हराया। हरेंद्र गौतम को 748, स्नेह कुमार त्यागी को 740 और शशिकांत भाटी को 373 वोट प्राप्त हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए अवधेश कुमार शर्मा ने सर्वाधिक 1164 मत प्राप्त किये और वह 397

मतों से विजय घोषित किए गए। अन्य प्रत्याशियों में अशोक चौधरी को 767, ओम प्रकाश सिंह को 350 श्रीमती पंकज श्रीवास्तव को 475 मत प्राप्त हुए, जबकि 26 वोट निरस्त किए गए।

संयुक्त सचिव प्रशासन पद के लिए सुनील कुमार ने 1156 वोट प्राप्त करके 585 रनों से विजय हासिल की। अन्य प्रत्याशियों में गुलफाम सिद्दीकी को 462, जितेंद्र कुमार को 571, रिचा सिंह को 542 वोट मिले, जबकि 51 वोट निरस्त कर दिए गए।

कोषाध्यक्ष पद के लिए खुशनुमा परवीन को 780 वोट मिले और वह 220 मतों से विजयी घोषित की गई। कोषाध्यक्ष के पद के लिए अन्य प्रत्याशियों में नरेश कुमार शर्मा को 486, पूनम गुप्ता को 558, सचिन कुमार सेन को 458 और संजय कुमार कश्यप को 460 वोट मिले,जबकि 40 वोट निरस्त कर दिए। सह सचिव पुस्तकालय पद के लिए अमित कुमार पाल ने 1326 वोट प्राप्त किया और वह 480 रन से विजय घोषित किए गए। इनके अलावा मयंक श्रीवास्तव को 840, राजेंद्र कुमार गुप्ता को 540 वोट मिले, जबकि 64 बोर्ड निरस्त कर दिए गए।

संयुक्त सचिव प्रशासन के लिए सुनील कुमार ने 1156 वोट प्राप्त करके 585 मतों से जीत हासिल की, अन्य प्रत्याशियों में गुलफाम सिद्दीकी को 462, जितेंद्र कुमार को 571, रिचा सिंह को 542 वोट मिले, जबकि 51 बोर्ड निरस्त कर दिए गए।

गौरतलब है कि बार चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए ब्रह्मदेव त्यागी, अतुल्य कुमार शर्मा, चन्द्रकांत शर्मा, मुनीश कुमार त्यागी, नरेश चौधरी, राकेश त्यागी (निवाडी), सचिव पद के लिए -शशिकांत भाटी, स्नेह कुमार त्यागी, हरेन्द्र कुमार गौतम, वरुण कुमार त्यागी (बयाना), वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए अशोक चौधरी, आदेश कुमार गर्ग, श्रीमति पंकज श्रीवास्तव, ओमप्रकाश सिंह, कनिष्क उपाध्यक्ष के लिए अतुल कुमार त्यागी, मोनू कुमार सेठी, रुचिन मेहरा, विनय कुमार पंवार, कोषाध्यक्ष के लिए खुशनुमा परवीन, पूनम गुप्ता, संजय कुमार कश्यप व सचिन कुमार सेन,सह सचिव (प्रशासन) के लिए-गुलफाम सिद्दीकी, जितेन्द्र कुमार, रिचा सिंह, सुनील कुमार और सह सचिव (पुस्तकालय) पद के लिए अमित कुमार पाल, मयंक श्रीवास्तव, व राजेन्द्र कुमार गौतम के बीच मुकाबला था।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की बैठक सम्पन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बेहतर परिणामों हेतु इम्पैनल्ड वैन्डरों के साथ बैठक आयोजित की गयी है। उक्त बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा यूपीनेडा मुख्यालय लखनऊ द्वारा दी गयी आवेदनकर्ता उपभोक्ताओं की सूची को वैन्डरों को वितरित करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही प्रत्येक वैण्डर को प्रत्येक माह 100 सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में बेहतर प्रगति ना होने पर नाराजगी व्यक्त की गयी। उन्होने कहा कि यदि किसी भी वेन्डर को कोई समस्या आ रही है तो उसकी शिकायत को लिखित में दें, जिससे में उन समस्याओं पर निराकरण कर सके। उन्होने बैठक में उपस्थित सभी को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को घर–घर पहुंचायें और जनता को इसका लाभ पहुंचायें। उन्होने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का वृहद स्तर पर प्रचार–प्रसार किया जाएं। आपको जहां भी कैम्पिनिंग करनी है वहां सम्बंधित सभी विभागों के कर्मचारियों को भी बुलायें, जिससे कार्य शीघ्रता से हो सके। साथ ही पी०एम० सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रचार-प्रसार सोशल मीडिया के माध्यम से भी करें। उक्त बैठक में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी / सह नोडल अधिकारी, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी, (यूपीनेडा), गाजियाबाद एवं यूपीनेडा में इम्पैनल्ड वैण्डरो द्वारा प्रतिभाग किया गया।

शहर में जाम की स्थिति को कंट्रोल करने के लिए योजना बना रहे हैं नगर आयुक्त

प्रथम चरण में काला पत्थर रोड, आरडीसी तथा राजनगर एक्सटेंशन रेड लाइट की ट्रैफिक व्यवस्था के लिए बनाया जा रहा है प्लान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

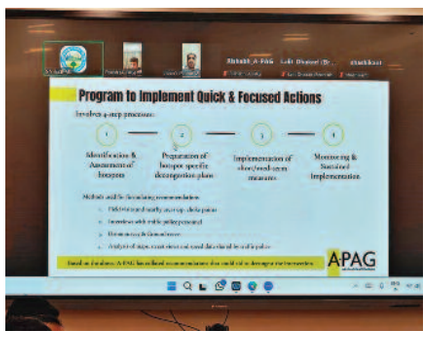

- निगम अधिकारियों सहित एक्सपर्ट टीम से की गई बैठक
- यातायात,जीडीए तथा नगर निगम संयुक्त रूप से जाम की समस्याओं का करेंगे समाधान–नगर आयुक्त
- जाम कम करने के लिए पार्किंग की स्थिति को बदलने तथा अवैध अतिक्रमण हटाने पर होगी बड़ी कार्यवाही

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा शहर में कराए जा रहे निर्माण कार्यों के साथ-साथ शहर की यातायात व्यवस्था पर भी गहनता से मंथन किया जा रहा है। जिसमें ऐसे स्थान जहां पर जाम की स्थिति अधिक बनी होती है वहां जाम मुक्त करने के लिए प्लानिंग की जा रही है। जिसके लिए निगम अधिकारियों सहित नगर आयुक्त ने एक्सपर्ट टीम के साथ बैठक की तथा प्रथम चरण में चार स्थानों का चयन करते हुए प्लान तैयार करने के निर्देश दिए, प्रथम चरण में गाजियाबाद नगर निगम आरडीसी राजनगर, राजनगर एक्सटेंशन, शेषनाग द्वारा, काला पत्थर रोड पर स्टालिन आरक्षण करते हुए प्लान तैयार करेगा जिसमें एयर पॉल्यूशन एक्शन ग्रुप की टीम को कार्रवाई प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया है। बैठक में मौके पर निर्माण विभाग टीम तथा जोनल प्रभारी की टीम भी उपस्थित रही। नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम जाम वाले स्थान का चयन करते हुए जाम से निजात दिलाने की कार्यवाही को प्रारंभ कर रहा है। जिसमें ऐसे हॉटस्पॉट जहां जाम की स्थिति अधिकांश बनी रहती है उनका चयन किया जाएगा ।

उसके बाद प्लानिंग करते हुए जाम खत्म करने के लिए मॉडल तैयार किया जाएगा, प्रथम चरण में चार स्थानों का चयन किया गया है । जहां पर पार्किंग की स्थिति को बदलते हुए, अवैध अतिक्रमण को हटाते हुए, आवश्यकता को देखते हुए यू टर्न बनाने का कार्य कराया जाएगा। शहर में जाम पर पूर्ण रूप से कंट्रोल किया जा सके योजना बनाई जा रही है। यातायात विभाग के साथ-साथ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण तथा नगर निगम संयुक्त कार्यवाही करेगा शहर वासियों को जाम की समस्या से निजात मिलेगी।

नगर आयुक्त द्वारा बैठक में उपस्थित जोनल प्रभारी तथा निर्माण विभाग टीम को संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए हॉटस्पॉट चयन करने के निर्देश दिए जिसमें एक्सपर्ट टीम के सदस्य भी साथ में स्थलीय निरीक्षण करेंगे निर्देशित किया गया। सबसे पहले आरडीसी की जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए अधिकारियों द्वारा प्लानिंग की जा चुकी है। एक सप्ताह के भीतर आरडीसी में अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान भी चलाया जाएगा। बल्कि जाम से निजात दिलाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जाएंगे।

जिसमें आवश्यकता को देखते हुए नए यू टर्न भी बनाए जाएंगे । गाजियाबाद नगर निगम की प्लानिंग जोरों पर चल रही है। नगर आयुक्त द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित जनों के साथ जाम की समस्या के ऊपर मंथन करते हुए प्लान तैयार किया जा रहा है।

कांग्रेसियों ने दिल्ली बम ब्लास्ट के मृतकों के लिए दो मिनट का मौन रखा

गाजियाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय सेंट्रल मार्केट पुराना बस अड्डा गाजियाबाद जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा की अध्यक्षता में राजधानी दिल्ली के दिल में हुए कार ब्लास्ट की घटना में सभी भारतीयों के दिलों को हिल कर रख दिया। ऐसी घटनाओं की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसियों ने मृतक परिवारों के लिए संवेदना व्यक्त की एवं घायलों के जल्द स्वस्थ होकर अपने परिवार में पहुंचने की कामना की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि इस आतंकी घटना को अंजाम देने वाले लोगों को कठोर से कठोर सजा दी जानी चाहिए. ताकि ऐसी घटना भविष्य में पुनरावृत्ति ना हो सके। दिल्ली के बम कांड से प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाए जाने एवं इस घटना में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो 2 मिनट का मौन रखा। कार्यक्रम में अध्यक्ष सतीश शर्मा, पुष्पा रावत, लालमन सिंह पाल, सुरेंद्र शर्मा, सुरेंद्र कुमार बबलू, महिला जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, कृष्ण कांत, राजेंद्र शर्मा, ओम दत्त गुप्ता, जितेंद्र कुमार, आशुतोष गुप्ता, इस्लाम आबिद, मनोज कुमार राय,संदीप यादव सुशील शर्मा, आशा, लज्जा यादव, कृपाशंकर, राजेश गुप्ता, दिसंबर नेगी, तरुण रावत आदि थे।

सरदार पटेल ने अखंड भारत की जो नींव रखी, उसे पीएम मोदी मजबूत कर रहे हैं: भूपेंद्र चौधरी

मुरादनगर विधानसभा में निकली ऐतिहासिक यूनिटी यात्रा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद/मुरादनगर। भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महानगर गाज़ियाबाद द्वारा मुरादनगर में रन फॉर यूनिटी – यूनिटी मार्च का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया, गाज़ियाबाद सांसद अतुल गर्ग, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल सहित सभी अतिथिगणों ने सरदार पटेल एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। अंबेडकर पार्क में आयोजित विशाल जनसभा में बच्चों ने वंदेमातरम, गुरुभक्ति वंदना एवं देशभक्ति गीतों पर आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। बाल दिवस पर बच्चों के उत्साह ने कार्यक्रम को ऊर्जा और देशभक्ति के भाव से भर दिया।

सभा का शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के प्रेरक संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अखंड भारत की नींव रखने का कार्य किया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश अदम्य गति से विकास, एकता और राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। बाल दिवस के अवसर पर मैं देश के सभी बच्चों को

हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया ने कहा कि यूनिटी मार्च संगठन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य भावना का उत्कृष्ट प्रतीक है। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि देश की एकता और विकास जनता की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। मोदी सरकार का प्रत्येक कदम भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए समर्पित है। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि यह यूनिटी मार्च सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश देता है।

मुरादनगर विधायक एवं यात्रा के नेतृत्वकर्ता अजीत पाल त्यागी ने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश जन-जन तक पहुँचाना हम सबका कर्तव्य है। योगी सरकार हर दिशा में राष्ट्रभक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है। समापन स्थल पर आयोजित सभा में विधान परिषद सदस्य ऋषि पाल चौधरी ने कहा कि यह यूनिटी मार्च पश्चिम उत्तर प्रदेश की सबसे अनुशासित और सफल यात्राओं में से एक है। विधायक अजीत पाल त्यागी एवं उनकी पूरी टीम वास्तव में बधाई की पात्र है। इस मौके पर विधायक अजीत पाल त्यागी ने यात्रा संयोजक मोनू त्यागी, अभियान संयोजक गौरव चोपड़ा, अमित रंजन, प्रीति चंद्रा, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, महानगर कोषाध्यक्ष संजील गुप्ता, मंडल अध्यक्ष राहुल गोयल, विपिन चौधरी, राहुल तोमर, गजेन्द्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख राहुल चौधरी (डैनी), ब्लॉक प्रमुख राजीव त्यागी, नितिन गोयल, पंकज भारद्वाज, नवनीत मित्तल, अमृता चौधरी, ऊषा चौधरी, बिंदु त्यागी सहित सभी सहयोगियों के योगदान की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री वसंत त्यागी, जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह, सरदार एसपी सिंह, अरविंद भारतीय, अमर दत्त शर्मा, महेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, बॉबी त्यागी, संजील त्यागी सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल रहे। यात्रा का समापन जय हिंद, जय भारत, वंदे मातरम एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। विधायक अजीत पाल त्यागी ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर कार्यक्रम का औपचारिक समापन किया।

ये रहा यूनिटी मार्च का मार्ग

सभा के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रन फॉर यूनिटी मार्च का शुभारंभ किया। मार्च अंबेडकर पार्क से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए के.एन. इंटर कॉलेज, मेन कस्बा रोड पहुँचा। पूरे मार्ग में नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर यात्रियों का स्वागत किया। वातावरण 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के नारों से गूंज उठा।

रोटरी क्लब गाज़ियाबाद नॉर्थ ने पेंटिंग प्रतियोगिता का कराया आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। रोटरी क्लब गाज़ियाबाद नॉर्थ द्वारा हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी भव्य पेंटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गाज़ियाबाद के लगभग 130 विद्यालयों के 1100 नन्हें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बच्चों को जन्म वर्ष के अनुसार कुल 7 समूहों में विभाजित किया गया। इस वर्ष प्रत्येक समूह के लिए विशेष थीम निर्धारित की गई जिसके तहत 2012-2013 में जन्मे बच्चों के लिए महाकुंभ, 2014-2015 में जन्मे बच्चों के लिए भारत के त्यौहार, 2016-2017-2018 में जन्मे बच्चों के लिए पिकनिक रहे। प्रत्येक समूह में प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा 5 प्रोत्साहन पुरस्कार दिए जाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अजीत पाल त्यागी ने गुब्बारे उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने हेतु पूर्व पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आलोक गुप्ता , एसिस्टेंट गवर्नर मोहिंदर सिंह एवं स्वर्णा मित्तल ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रतियोगिता के संचालन में क्लब अध्यक्ष रोटेरियन पुनीत अग्रवाल, सचिव रोटेरियन रजत जिंदल, कोषाध्यक्ष रोटेरियन शिशिर अग्रवाल तथा प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन ललित जायसवाल का योगदान सराहनीय रहा। संचालन रोटेरियन सुमेश गर्ग एवं रोटेरियन सुधीर गुप्ता ने अत्यंत सुचारू रूप से किया। बच्चों में कला के प्रति प्रेम और अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए क्लब द्वारा सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क स्नैक्स भी वितरित किए गए। इस अवसर पर रोटरी क्लब गाजियाबाद नॉर्थ के विभिन्न सदस्य अंकुर अग्रवाल, संजय जैन, मनोज अग्रवाल, आलोक गर्ग, सुधीर गुप्ता, राकेश जिंदल, पीयूष गुप्ता, विजय महेश्वरी , एवं क्लब की रितु अग्रवाल, नीतू जैन, नमिता जिंदल, शिवानी जैन, पूनम माहेश्वरी, निशा गर्ग के साथ-साथ कविनगर ए ब्लॉक फेडरेशन के अध्यक्ष ललित जायसवाल व अन्य सदस्यों द्वारा प्रतिभा किया गया।

बीएलए-1, मंडल अध्यक्षों एवं मॉनिटरिंग टीम की जिला और महानगर की संयुक्त बैठक

हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़ना चाहिए: धर्मपाल सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी गहनता और निष्ठा के साथ जुटकर सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने तथा बोगस नाम हटवाने का कार्य प्राथमिकता से करना है।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह रविवार को यहां बीएलए-1, मंडल अध्यक्षों एवं मॉनिटरिंग टीम की जिला और महानगर की संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक इंदिरापुरम स्थित रॉयल पार्क फार्म हाउस में आयोजित की गई। धर्मपाल सिंह ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतांत्रिक जागरूकता का व्यापक अभियान है, जिसमें यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे और कोई भी फर्जी नाम सूची में न बना रहे।

उन्होंने बताया कि जिला व विधानसभा स्तर पर वॉर रूम तैयार किए गए हैं, जो प्रदेश स्तर के वॉर रूम से तकनीकी रूप से जुड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्तर पर बीएलए-1 और बूथ स्तर पर बीएलए-2 को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना है। इनके साथ नियुक्त बूथ प्रवासी भी रणनीतिक भूमिका निभाएँगे। सभी मिलकर बूथ अध्यक्ष के साथ तालमेल बनाते हुए बूथ स्तर पर सत्यापन, संपर्क और सूचनाओं के आदान-प्रदान की प्रक्रिया को तेजी और गंभीरता के साथ आगे बढ़ाएँगे।

बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी, सदर विधायक संजीव शर्मा, तथा मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच मंचासीन रहे। संयुक्त जिला-महानगर बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बिहार में एनडीए की ऐतिहासिक विजय पर गाज़ियाबाद में खुशी की लहर

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाज़ियाबाद। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद भाजपा महानगर कार्यालय नेहरू नगर में कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया और चुनाव परिणामों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर जनविश्वास की मजबूत मुहर बताया। महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि बिहार की जनता ने विकास, सुशासन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व पर फिर से भरोसा जताया है। आज की यह विजय देश की राजनीति में परिवर्तन का संकेत है। गाज़ियाबाद के कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह है और हम सब मिलकर इस ऐतिहासिक जीत को समर्पित भाव से मना रहे हैं। युवा महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा ने कहा कि युवा शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ मजबूती से खड़ी है। बिहार की युवा पीढ़ी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह विकास की राजनीति को पसंद करती है। यह जीत युवाओं की उम्मीदों की जीत है। आज का परिणाम देश के उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ता कदम है।

प्रदीप चौधरी, महानगर मीडिया प्रभारी ने कहा कि बीते वर्षों में भाजपा सरकार के कार्य, गरीबकल्याण योजनाओं और राष्ट्रहित की नीतियों ने आम जनता का विश्वास और गहरा किया है। बिहार की इस जीत ने साबित कर दिया है कि जनता विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति के साथ है। गाज़ियाबाद में कार्यकताओं का उत्साह चरम पर है और यह परिणाम देशभर में सकारात्मक संदेश देता है।

आत्मनिर्भर भारत एकता यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

पिलखुवा से गालंद तक देशभक्ति और एकता का भव्य प्रदर्शन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

पिलखुवा (हापुड़)। रविवार को पिलखुवा क्षेत्र में 'भारत आत्मनिर्भर भारत एकता यात्रा' का ऐसा भव्य आयोजन देखने को मिला जिसने पूरे शहर में उत्साह, देशभक्ति और सामाजिक एकता का संदेश फैलाया। रैली का शुभारंभ सर्वोदय इंटर कॉलेज से हुआ, जहाँ हजारों की संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र, ग्रामीण, व्यापारी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि हाथों में तिरंगा लिए एकत्र हुए। एनसीसी कैडेट्स और स्कूली बच्चों की आकर्षक परेड ने यात्रा में नई ऊर्जा भर दी। ड्रम बीट्स, देशभक्ति के गीतों और 'वंदे मातरम्'- 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा मार्ग गूंज उठा। निर्धारित रूट से होकर यह पदयात्रा ग्राम गालंद तक पहुँची, जहाँ कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण समापन हुआ। यात्रा में प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, सांसद अतुल गर्ग, विधायक धर्मेश तोमर, नगर पालिका अध्यक्ष विभु बंसल, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता तथा सामाजिक पदाधिकारी शामिल रहे। इसके अलावा राजेंद्र मित्तल (मेदी वाले) प्रतिनिधि सांसद, मनीष दीक्षित, जिला महामंत्री पुनीत गोयल, श्यामेंद्र त्यागी, यशपाल प्रधान, मनीष माहेश्वरी, अमित टांक, अंकुर गहलौत, सचिन पुंडीर, हिमांशु अग्रवाल, नितेश तोमर, नरेंद्र सैनी, गुड्डू प्रजापति सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने यात्रा में भाग लेकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाना, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना, युवाओं को स्वावलंबन के लिए प्रेरित करना तथा समाज में राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश फैलाना– यात्रा का प्रमुख लक्ष्य रहा। यात्रा के दौरान जगह-जगह लोगों ने प्रतिभागियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत भी किया। विधायक धर्मेश तोमर ने कहा 'आत्मनिर्भर भारत केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प है। आज पिलखुवा में जिस तरह हजारों लोग तिरंगा लेकर इस यात्रा में जुड़े, वह बताता है कि देश की जनता अब आत्मनिर्भरता को अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य मान चुकी है। जब गांव-गांव, शहर-शहर से युवा, महिलाएँ और किसान इस संकल्प को आगे बढ़ाएंगे, तभी भारत आर्थिक रूप से अधिक मजबूत, सशक्त और विश्व नेतृत्व करने वाली शक्ति बनेगा।

हमारा लक्ष्य है कि स्थानीय उद्योगों, हथकरघा, लघु उद्यमों और पारंपरिक कला को नई पहचान मिले, युवाओं को रोजगार के अवसर बढ़ें और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो। इस यात्रा के माध्यम से हम यही संदेश दे रहे हैं कि आत्मनिर्भर भारत की राह जनता की भागीदारी से ही संभव है। मैं पिलखुवा के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में शामिल होकर राष्ट्रीय एकता और विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई। यह दृश्य हर भारतीय को गर्व से भर देने वाला है।'

तरणताल, जिम एवं खेल एकेडमी के पंजीकरण प्रमाण पत्र के लिए करें आवेदन: विकास कश्यप

गाजियाबाद। विकास कश्यप अपर जिलाधिकारी (नगर) ने अवगत कराया गया कि जनपद में संचालित समस्त तरणताल व जिम तथा खेल एकेडमी संचालकों को सूचित किया जाता है कि जिला क्रीडा अधिकारी गाजियाबाद के कार्यालय से आवेदन फार्म प्राप्त कर समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर आवेदन फार्म प्रस्तुत करे। तदोपरान्त अपर जिलाधिकारी (नगर) गाजियाबाद की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा तरणताल व जिम एवं खेल एकेडमी द्वारा प्रस्तुत आवेदन फार्मों की जांच एवं निरीक्षण उपरान्त समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण करने वाले संस्थान को पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा।

समस्त तरणताल व जिम तथा खेल एकेडमी संचालकों को यह भी सूचित किया जाता है कि विभिन्न संस्थाओं द्वारा जैसे सोसायटी, क्लबों, होटलों एवं स्कूलों तथा फार्म हाउस/बैकेंट हॉल आदि स्थाना पर जहाँ पर भी तरणताल व जिम एवं खेल एकेडमी बिना पंजीकरण के सचालित किये जा रहे, उन्हें तत्काल प्रभाव से नियमानुसार पंजीकरण की कार्यवाही पूर्ण करने के उपरान्त ही संचालित किया जाये। यदि बिना पंजीकरण के जनपद में कोई भी तरणताल व जिम एवं खेल एकेडमी संचालित पायी जाती है तो उनके विरूद्ध नियमसंगत कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

क्या भारतीय पेशेवरों का टूट रहा अमेरिकी सपना?

भारत में कुशल पेशेवर विदेश में नौकरी तलाशने को प्राथमिकता देते हैं। अच्छा वेतन पाने की ख्वाहिश उन्हें विदेश खींच ले जाती है। इस मामले में अमेरिका भले ही भारतीयों की पहली पसंद है, मगर अब वहां ठिकाना बनाना आसान नहीं रह गया है। अमेरिका ने इस साल सितंबर में पहले एच-1बी वीजा पर शुल्क कई गुना बढ़ा दिया और अब नई नीति तैयार की गई है, जिसके तहत किसी भी देश से अमेरिका जाने वाले पेशेवरों की नौकरी वहां के कर्मियों को प्रशिक्षित करने तक ही सीमित रहेगी, इसके बाद उन्हें स्वदेश वापस भेज दिया जाएगा। यानी अमेरिका अब विदेशी प्रतिभाओं का इस्तेमाल केवल अपने कर्मियों का हित साधने तक ही करेगा। गौरतलब है कि अमेरिका के वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने गुरुवार को कहा कि एच-1बी वीजा के तहत

कुशल विदेशी पेशेवरों को लाने का मकसद अमेरिकी कर्मियों को उस कौशल में प्रशिक्षित करना है, जो उनके पास नहीं है। प्रशिक्षण में तीन से सात साल लगेंगे, इसके बाद वे स्वदेश लौट जाएंगे। इससे स्पष्ट है कि भारत समेत अन्य देशों के लोग अब अमेरिका में स्थायी तौर पर नौकरी नहीं कर पाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश को फिर से महान बनाने का दावा करते रहे हैं। उनका कहना है कि विदेशी पेशेवरों के बड़ी संख्या में आने से वहां के नागरिकों का रोजगार छिन रहा है। इसी क्रम में उन्होंने अमेरिकी कंपनियों पर अपनी विनिर्माण इकाइयों को अन्य देशों से स्वदेश वापस लाने का दबाव भी बनाया था। अमेरिका ने एच-1बी वीजा का शुल्क भी इसलिए बढ़ाया है, ताकि इसकी पहुंच केवल उच्च कौशल वाले विदेशियों तक ही सीमित रहे। हाल की एक रपट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में दो लाख से ज्यादा भारतीयों ने एच1-बी वीजा हासिल किया था। वर्ष 2020 से 2023 के बीच कुल स्वीकृत वीजा में 73.7 फीसद भारतीयों को मिले थे। खासकर भारतीय आइटी कंपनियां अमेरिकी बाजार पर सबसे ज्यादा निर्भर हैं। ऐसे में सवाल है कि एच1-बी वीजा को लेकर अमेरिका की नई नीति का लक्ष्य क्या विदेशी प्रतिभाओं को सिर्फ अपने फायदे भर के लिए इस्तेमाल करने जैसा नहीं है? इसे विदेशी पेशेवरों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं तो और क्या कहा जाएगा?

जघन्य अपराधों में बढ़ी नाबालिगों की संलिप्तता

पिछले कुछ वर्षों के दौरान जघन्य अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूटपाट का विरोध करने पर एक आटो चालक की हत्या के आरोप में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी से देश में पलती-बढ़ती एक चिंताजनक प्रवृत्ति और उसकी दिशा को समझा जा सकता है। अभी किसी भी स्तर पर इस बात की चिंता नहीं दिखती है कि बेरोजगार युवाओं या विद्यालय न जाने वाले किशोरों के भविष्य को संवारने लिए क्या किया जाए। उनके बीच से जो किशोर आपराधिक प्रवृत्ति की ओर कदम बढ़ा दे रहे हैं, उन्हें लेकर हमारी नीति क्या हो। यहां तक कि हम बच्चों को नैतिक और सामाजिक मूल्यों से लैस नहीं कर रहे। दूसरी ओर, समाज में अनेक तरह की बनती विपरीत स्थितियां किशोरों को अपराध के गर्त में धकेल रही हैं। राजधानी में वह आटो चालक महज अपनी रोजी-रोटी कमाने निकला था। मगर कुछ शातिर लड़के योजनाबद्ध तरीके से उसे सुनसान जगह ले गए और उससे लूटपाट की कोशिश करने लगे। जब आटो चालक ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पकड़े जाने पर इन आरोपियों ने यह बात कबूली है कि वे नशे के आदी हैं और इसके लिए पैसे जुटाने के इरादे से उन्होंने वारदात को अंजाम दिया। समझा जा सकता है कि अपराध के दलदल में धंसते कुछ किशोर किस तरह खतरनाक हो रहे हैं। दिल्ली में हुई यह ताजा घटना एक उदाहरण भर है। यह दुखद ही है कि पढ़ने-लिखने की उम्र में कई किशोर हथियार लेकर सड़कों पर चल रहे हैं और आए दिन लूटपाट से लेकर हत्या तक के जघन्य अपराध में लिप्त पाए जा रहे हैं। गंभीर अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून अस्पष्ट और लचर होने का ही परिणाम है कि उनका दुस्साहस लगातार बढ़ता चला गया है। यह देखा गया है कि जघन्य अपराधों को अंजाम देने वाले कई नाबालिगों पर बाल सुधार गृह में भेजने का भी कोई असर नहीं होता। खासतौर पर सुनियोजित तरीके से हत्या और बलात्कार जैसे अपराधों के नाबालिग आरोपियों के प्रति क्या नीति अपनाई जानी चाहिए, अब इस मसले पर सरकार और समाज को एक बार विचार करना होगा।

मोदी का कोई तोड़ नहीं: बिहार जीत मायने अनेक

प्रतीकों, मूल्यों, संस्कृति और परंपराओं की पिच पर आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं हरा पाएंगे। ये मोदी और बीजेपी की पसंदीदा पिच है। अगर इस पर विपक्ष फंसा तो उसकी करारी हार सुनिश्चित है विपक्ष हर बार यही गलती करता है। वो भारतीय मानस को समझे बिना मोदी को ललकारता है। हिंदू संस्कृति के मानबिंदुओं, परंपराओं और आस्था पर कटाक्ष करता है। अपमानित करता है। विपक्ष को लगता है कि वो हिंदुत्व को गाली देकर जीत सकता है। विपक्ष को लगता है कि वो भारतीय सेना के शौर्य को चुनौती देकर चुनाव जीत सकता है। विपक्ष को ये लगता है कि जाति के नाम पर विभाजन उत्पन्न कर जीत सकता है। अगर इस मुगालते में विपक्ष है तो वो मोदी से कभी नहीं जीत सकता है। क्योंकि कौन से प्रतीकों को कहां और किस अंदाज में आजमाना है। ये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बखूबी जानते हैं। यूं कहूं तो वो इसमें सिद्धहस्त हैं। इसके जादूगर हैं। हरियाणा, महाराष्ट्र के बाद बिहार विधानसभा के ये परिणाम बता रहे हैं कि – आप हिंदू संस्कृति का अपमान कर कोई भी चुनावी किला फतह नहीं कर सकते।

आप सांविधानिक संस्थाओं का अपमान कर चुनाव नहीं जीत सकते। विपक्ष को ये समझना होगा कि जिस Gen-Z के नाम पर देश में नेपाल जैसी अराजकता का बिगुल फूंका जा रहा था। भारत के त्रील्ले ने उसकी हवा निकाल दी है। उसने भर-भर के एकमुश्त वोट ठऊअ की झोली में डालकर राजतिलक कर दिया है। महिलाओं ने बड़ी खामोशी से प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर अपना विश्वास जताया है। देश की जनता ये जान चुकी है कि वर्षों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस और आरजेडी समेत तमाम विपक्षी दल अब मुद्दाविहीन हो चुके हैं। क्या देश की जनता को ये नहीं दिखता रहा है कि - कैसे समूचा विपक्ष संसद की कार्यवाही नहीं चलने दे रहा था। क्या देश की जनता ये नहीं देख रही थी कि- कैसे राहुल गांधी के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन अराजकता का वातावरण बना रहा था। राष्ट्रीय हित के मुद्दों में इंडी गठबंधन के दलों का गतिरोध, तुष्टिकरण क्या देश की जनता नहीं देख रही थी? विपक्षी दलों को क्या लगता कि केवल आचार संहिता लगते ही चुनावी जंग जीती जाती है? अगर ये सोचते हैं तो इससे बड़ी भूल भला क्या हो सकती है? जनता हर समय राजनीतिक दलों, उनके नेताओं के आचरणों को देखती है। परखती है। उसके बाद धैर्यपूर्वक ढंग से आंकलन करती है। तत्पश्चात अपना निर्णय सुनाती है। जीत के ये आंकड़े बता रहे हैं कि –देश की जनता जान चुकी है कि विपक्ष ऐनकेन प्रकारेण केवल सत्ता हासिल करना चाहते हैं। उनकी नीयत में खोट है। क्योंकि क्षेत्रीय दलों को निगल जाने के बाद केवल 99 सीटें लोकसभा चुनाव में जीतने के बाद कांग्रेस जिस ढंग से गैर ज़िम्मेदाराना व्यवहार कर रही है। कांग्रेस के नेता और विशेष तौर पर राहुल गांधी जिस तरह से मोदी विरोध में–देश विरोधी मानसिकता से ग्रस्त दिख रहे हैं। सामाजिक समरसता को तोड़ने वाले बयान दे रहे हैं। देशद्रोही कम्युनिस्टों की लाइन पर चल रहे हैं। भारतीय समाज में अराजकता, हिंसा फैलाने जैसी बातें कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि जैसे कम्युनिस्टों ने राहुल गांधी को हाईजैक कर लिया हो। क्या जनता ये सब नहीं देखती है? अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर से लेकर, हिंदुत्व, छठी मैया आदि के विरुद्ध राहुल गांधी के अनर्गल बयान। मिथ्याप्रचार। भारतीय सेना को अपमानित करते हुए विभाजनकारी बयान देना। बात-बात में हिंदुओं को जातियों में बांटने की वकालत करना। भाषा के आधार पर विभाजन के बीज बोना।तुष्टिकरण के लिए नए वक्फ कानून के विरोध में उतरना। घुसपैठ जैसी घातक समस्या को खारिज करना।लव जिहाद और कन्वर्जन के आतंक के विरुद्ध चुप्पी साधे रहना। मौन समर्थन देना। नेता प्रतिपक्ष की भूमिका को मजाक बना देना। विदेशों में जाकर भारत की सांविधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करना। हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं पर आघात करना। कम्युनिस्टों की तर्ज.पर माओ की तरह रेड बुक रखना। बार-बार संविधान का माखौल उड़ाना। फर जैसे राष्ट्रनिष्ठ संगठनों पर झूठे आक्षेप लगाना। कांग्रेस शासित राज्यों में संविधान की हत्या करते हुए प्रतिबंध लगाने का कुकृत्य करना। प्रधानमंत्री जैसे गरिमामय पद पर बैठे ओबीसी वर्ग से आने वाले – नरेंद्र मोदी जी को – तू-तड़ाक जैसी भाषा से संबोधित करना। जनता ये सब देख रही थी और ये भी गांठ बांध रही थी कि – जो व्यक्ति प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे ओबीसी वर्ग के व्यक्ति के प्रति ऐसी घृणा रखता है। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल ये भूल गए कि - जनजातीय समाज की बेटी द्रौपदी मुर्मू जी के विरुद्ध उन्होंने राष्ट्रपति का कैडिडेट उतारा था। वो क्यों? इसीलिए न ताकि कोई जनजातीय समाज का व्यक्ति सर्वोच्च आसंदी पर न बैठ सके। विपक्ष को क्या लगता है कि देश और बिहार की जनता ये सब नहीं देख रही थी? भला, हार मिलने पर – अपने कृत्य क्यों भूल जाते हैं? वहीं परिवारवाद के शीर्ष उदाहरण राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा और तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव– ये सब क्या ये नहीं जानते हैं कि जनता अब 'परिवारवाद' को उखाड़ फेंक चुकी है। तिस पर भ्रष्टाचारी लालू परिवार। जंगलराज के आतंक का खौफ, लालू यादव की विवशता। धर्मनिष्ठ आचरण वाले तेजप्रताप यादव जैसे भाई का निष्कासन, आरजेडी पर कब्जा और लालू की विवशता भरी ईसाइयत से रंगी 'हैलोवीन' पार्टी। बिहार की जनता ये सब बारीकी के साथ देख रही थी। बिहार की जनता ये जान रही थी कि कैसे तेजस्वी यादव के यहां अब ईसाईयत और मिशनरीज का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। हिंदू परंपराओं को किनारे कर चोट पहुंचाई जा रही है।अन्यथा राजनीतिक फायदे के लिए 'छठी मैया' का राहुल गांधी ने जिस प्रकार से अपमान किया था। बिहार की जनता ये जान रही थी कि किसकी शह पर खेसारी जैसे दोयम दर्जे के लोग – श्रीराममंदिर पर अपमानजनक टिप्पणी कर रहे थे। क्या तेजस्वी यादव इन सबका विरोध नहीं करते? वस्तुतः ये परिणाम चीख-चीख कर यही कह रहे हैं कि -जनता विपक्ष की नीयत के खोट को अच्छी तरह से जान-पहचान चुकी है। इसीलिए जनता अपने मतदान के जरिए इन दलों की नियति में हर बार खोट का सर्टिफिकेट लगा देती है। S-I-R, EVM हैक और वोट चोरी के मिथ्या आरोपों को जनता अच्छी तरह जान चुकी है।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, शृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात देखा गाया, भगवान राम का दिव्य जीवन) **भाग 42**

गतांक से आगे ....

..उन्होंने कुछ काल में एक षडयंत्र रचा,महर्षि वशिष्ठ और विश्वामित्र ने भरत और शत्रुघ्न को माता के विधाताओं के यहाँ,मामाओं के यहाँ,उस गृह में चले गएं दूसरे राष्ट्र में चले गएं और वहाँ राज्याभिषेक होने लगा। यह सब कार्य मन्थरा का,उस मन्थरा ने यह षडयन्त्र रचा और इस षडयन्त्र रचने के पश्चात उस समय जब राज्यभिषेक की चचाएँ होने लगी,तो मन्थरा, कैकेयी के द्वारा पर पंहुची और कैकेयी ने मन्थरा का स्वागत किया,आओ,देवी ! विराजो, तो मन्थरा और कैकेयी दोनों विद्यमान हो गई, मन्थरा ने कहा-हे कैकेयी !,हे देवी ! तुम हमारी स्वामिनी हो, परन्तु मैं यह जानना चाहती हूँ, कि राजा दशरथ ने यह क्या विचारा है,भरत और शत्रुघ्न यहाँ दोनो नहीं है और वह राम का राज्याभिषेक कर रहे हैं। यह कैसा एक षडयन्त्र सा मुझे एक प्रतीत होता है। कैकेयी ने कहा,नहीं ऐसा नहीं,मन्थरा !, यह राम तो हमारा प्रिय है। जेठा पुत्र है, राजकुमार है, इसको राज्याभिषेक हो जाना चाहिए। मन्थरा ने कहा, तो भरत ने इस राष्ट्र के लिए ऐसा क्या दोषारोपण कर दिया है? विधाता यहाँ नहीं हैं, उन्होंने कहा कोई वाक नहीं, परन्तु कैकेयी को, राम तो बहुत प्रियतम थे और, राम की विशेषकर माता के रूप में कैकेयी अपने जीवन में अपने को यह स्वीकार करती रही,कि यह मेरा प्रिय पुत्र है,राम ।जब यह वाक कहा,तो मन्थरा ने उसे नाना प्रकार की वार्ताएँ प्रगट करती रही, अन्त में मन्थरा ने यह कहा कि हे कैकेयी ! मेरे विचार में,मेरी स्वामिनी ! यह आ रहा है कि राम और दशरथ दोनो का यह एक रूपक,

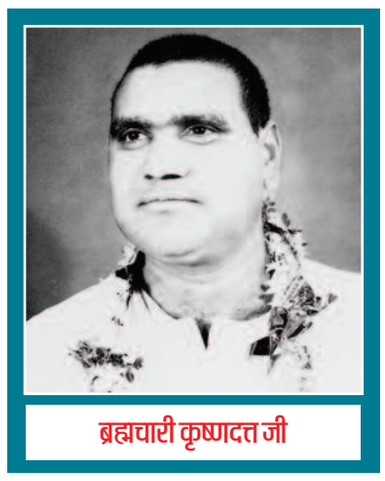

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

कुछ रहस्य है? जो शत्रुघ्न यहाँ नहीं हैं, अगले दिवस राम को राज्याभिषेक होने वाला था, कैकेयी के बहुत विचार-विनिमय करने के पश्चात मन्थरा की बातों ने कैकेयी की प्रवृत्तियों को दूसरे मार्ग पर प्रेरित कर दिया। और प्रेरित करने के पश्चात कैकेयी ने यह कहा कि वास्तव में मेरे विचार से,जो मेंरा बाल्य भरत है, मुझे ऐसा प्रतीत हो रहा है,जैसा उसके लिए एक विशेष षडयन्त्र के रूप में परिवर्तित किया। ऐसा उन्होंने जब स्वीकार कर लिया,ऐसा उनके मस्तिष्क में मन्थरा ने भर दिया,क्योंकि वह गुप्तचर विभाग में रहती थी परिणाम यह हुआ कि उन्होंने इस वाक को स्वीकार कर लिया, कि राम का राज्य तिलक नहीं होने दूंगी, तो, यह ऋषि-मुनियों का यह एक रूपक था एक उनकी योजना थी,मन्थरा ने उसको साकार रूप दिया, उस साकार रूप में माता कैकेयी को कारण बनाया और राम को अगले दिवस राजा दशरथ, जहाँ राजतिलक की घोषणा हो रही थी ,जन समाज में एक हर्ष उल्लास हो रहा था, कि राम हमारे धिराज बनेंगे,वहाँ कैकेयी शोक भवन में चली गई,शोक भवन में गई, तो मन्थरा ने राजा दशराथ से कहा कि महाराज ! कैकेयी शोक भवन में चली गई हैं। राजा दशरथ मन्थरा के इन वाक्यों को पान करते हुए वह कैकेयी के द्वार पर पंहुचे और कैकेयी से कहा- हे कैकेयी ! तुम ऐसे शोक भवन में क्यों आ गई हो? तुम्हारे इस कारण को मैं नहीं जान पायो उन्होंने कहा हे भगवन ! मैं इसीलिए शोक भवन में हूँ,कि तुम्हें यह प्रतीत,जिस समय राजा व्रतेतकेतु राजा के यहाँ मेरी भौजाई, जिनको हम कौशल्या जी कहते हैं,कौशल्या जी को जब राजा रावण ने अपने में स्वीकार कर लिया था। और समुद्र में इनको अर्पित कर दिया था, मुझे यह प्रतीत नहीं था, कि उसमें कौशल्या जी,विद्यमान थौराजा रावण ने यह खरदूषण को प्रदान कर दी थी और खरदूषण का और आपका(राजा दशरथ) उस समय संग्राम हुआ थो क्रमशः....

बिहार का जनादेश: एनडीए की सुनामी में ध्वस्त हुआ महागठबंधन

बिहार की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर पहुंची है, जहां मतदाता ने अपनी पसंद को अभूतपूर्व स्पष्टता, दृढ़ता और राजनीतिक परिपक्वता के साथ दर्ज किया है। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव सामान्य जनादेश नहीं बल्कि एक गहरा राजनीतिक संदेश है, जहां नीतीश कुमार के सुशासन ने अविश्वास को पछाड़ दिया, स्थिरता ने प्रयोगधर्मिता को और सामाजिक सुरक्षा ने जातीय ध्रुवीकरण को दृढ़ता से मात दे दी। बिहार का यह जनादेश बताता है कि बिहार का मतदाता भावनात्मक राजनीति, जातिगत उत्तेजना और चुनावी वादों की चमक-दमक से परे निकल चुका है और वह केवल उसी नेतृत्व को स्वीकार करता है, जो उसके जीवन में वास्तविक बदलाव लाए, सुरक्षा दे, भरोसा कायम रखे और विकास को धरातल पर उतारे।

इसी कसौटी पर यह समझना कठिन नहीं कि एनडीए को ऐतिहासिक जीत क्यों मिली और महागठबंधन क्यों धराशायी हो गया। 243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है पर चुनाव परिणामों ने स्पष्ट किया कि यह सीमा इस बार महज एक गणितीय संख्या बनकर रह गई। एनडीए बहुमत से कहीं आगे निकल गया जबकि महागठबंधन का प्रदर्शन तमाम पूवार्नुमानों से बहुत नीचे रह गया, जो 50 सीटें भी हासिल नहीं कर सका। तेजस्वी यादव, जो दो वर्षों से स्वयं को मुख्यमंत्री-इन-वेटिंग के रूप में प्रक्षेपित करते रहे, जनता द्वारा स्पष्ट तौर पर नकार दिए गए। यह हार केवल किसी एक नेता की नहीं बल्कि पूरी उस राजनीतिक रणनीति की असफलता है, जो जातीय समीकरणों, लुभावने लेकिन अवास्तविक वादों और सहयोगियों को हाशिये पर रखकर बनाई गई थी। 2020 में महज कुछ हजार वोटों से पीछे रहने वाली आरजेडी को इस बार उम्मीद थी कि वह आसानी से सत्ता के द्वार तक पहुंच जाएगी लेकिन 2025 ने उसका यह सपना ध्वस्त कर दिया। इस चुनाव में महागठबंधन की सबसे बड़ी गलती टिकट वितरण की रणनीति रही। आरजेडी ने 144 सीटों में से 52 यादव उम्मीदवार उतारे, जो कुल टिकटों का लगभग 36 प्रतिशत थे। यह संख्या 2020 के मुकाबले कहीं अधिक थी।

तेजस्वी यादव का उद्देश्य भले ही अपने कोर वोट बैंक को मजबूत करना रहा हो लेकिन इसका परिणाम उलटा निकला। यादव बिहार की आबादी का मात्र 14 प्रतिशत हैं जबकि चुनाव का फैसला ईबीसी, महादलित, सवर्ण, युवा, महिलाएं, शहरी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर निर्भर करता है। इतने अधिक यादव प्रत्याशी उतारने से यह संदेश गया कि आरजेडी सत्ता को फिर से एक जाति के हाथों में सौंपना चाहती है। एनडीए ने इसे चुनावी हथियार बनाकर ह्यायादव राज-भाग 2ह्ल का नैरेटिव चलाया, जो शहर से गांव तक गूंजता हुआ जनमत को प्रभावित करता गया। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने 2024 में जातिगत संतुलन साधते हुए केवल 5 यादव प्रत्याशी उतारे थे, जिससे व्यापक सामाजिक आधार मिला। तेजस्वी इससे सीख नहीं ले सके और आरजेडी की छवि और भी यादव-केंद्रित बन गई, जिसका सीधा असर 10 से 15 प्रतिशत वोटों के खिसकने के रूप में सामने आया। दूसरी बड़ी गलती गठबंधन प्रबंधन की विफलता रही। महागठबंधन ऊपरी तौर पर भले ही मजबूत दिखता रहा लेकिन भीतर से बिखरा हुआ था। कांग्रेस से सीट-बंटवारे पर

तकरार, वाम दलों को कमजोर सीटें देना और सहयोगियों को प्रचार में हाशिये पर रखना, इन सबने गठबंधन में असंतोष पैदा किया। सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब महागठबंधन का घोषणापत्र ह्यतेजस्वी प्रणह्ल के नाम से जारी किया गया। यह कदम साझेदारी की भावना को ठेस पहुंचाता था। कांग्रेस गारंटी मॉडल पर केंद्रित थी, वाम दल मजदूर-किसान मुद्दों को उभार रहे थे लेकिन तेजस्वी केवल नौकरियों के वादे पर टिके रहे। महागठबंधन एक साझा दृष्टि से वंचित रहा और चुनावों में एकजुट चेहरा न बन सका। तेजस्वी की तीसरी चूक उनके वादों के अविश्वसनीय स्वरूप में दिखी। उन्होंने हर घर में नौकरी, पेंशन, शराबबंदी की समीक्षा, महिलाओं की बड़ी आर्थिक मदद जैसे भारी-भरकम वादे तो किए पर उनके क्रियान्वयन, वित्तीय स्रोत या समय सीमा पर कोई विश्वसनीय उत्तर नहीं दे सके। हर मंच से वे कहते रहे कि ब्लूप्रिंट जल्दी आ जाएगा लेकिन चुनाव समाप्त होने तक वह ब्लूप्रिंट नहीं आया। इससे उनकी विश्वसनीयता पर गहरा आघात हुआ, खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं में। महागठबंधन की मुस्लिम परस्त छवि ने नुकसान को और बढ़ाया। मुस्लिम बहुल सीटों पर तो लाभ मिला पर पूरे राज्य में यह छवि प्रतिकूल साबित हुई।

वक्फ बिल को लागू न करने की तेजस्वी की घोषणा और कई संवेदनशील बयानों ने यादव समुदाय के एक वर्ग को भी असहज कर दिया। एनडीए ने इसे भुनाया और लालू यादव के संसद में दिए भाषणों को वायरल कर जनमत को प्रभावित किया। गैर-मुस्लिम और गैर-यादव वोटों ने निर्णायक मोड़ पर महागठबंधन को छोड़ दिया। तेजस्वी यादव की सबसे जटिल रणनीतिक गलती उनके पिता लालू प्रसाद यादव को लेकर उनकी दोहरी राजनीति रही। उन्होंने लालू की विरासत का सहारा भी लिया और उससे दूरी भी बनाए रखी। पोस्टरों में पिता की तस्वीर छोटी रखी गई जबकि मंचों पर उनके नाम का राजनीतिक इस्तेमाल किया गया। यह दोहरापन मतदाता को भ्रमित करता रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेजस्वी पर ह्यलालू के पाप छिपानेह्ल का आरोप लगाना इस उलझन को और गहरा कर गया। इसके विपरीत एनडीए ठोस काम और प्रामाणिक शासन मॉडल के साथ मैदान में उतरा।

नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में महिला-सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की जो नींव रखी थी, वही इस चुनाव में निर्णायक बनी। 2006 में शुरू हुई साइकिल योजना, किताब-धन, पोशाक-धन, छात्रवृत्ति, जीविका समूहों का विस्तार, इन सबने महिला मतदाताओं के मन में एक स्थायी भरोसा पैदा किया। 2025 के चुनाव में महिलाओं का मतदान पुरुषों से 9 प्रतिशत अधिक रहा, जो स्पष्ट संकेत था कि महिला मतदाता एनडीए के साथ खड़ी हैं। जीविका समूहों से जुड़ी एक करोड़ से अधिक महिलाओं पर आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभाव सीधा मतदान व्यवहार पर पड़ा। 10,000 रुपये की सहायता और 2 लाख रुपये तक की उद्यम सहायता ने इन्हें राजनीतिक रूप से और भी सक्रिय बनाया। दलित और अति पिछड़ी महिलाओं का समर्थन भी निर्णायक रहा। महागठबंधन की ऊंची-ऊंची घोषणाओं के विपरीत एनडीए की योजनाएं उनके जीवन में ठोस बदलाव ला रही थी, जिससे जातीय ध्रुवीकरण की संभावित रणनीति भी ध्वस्त हो गई। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा कानून-व्यवस्था का रहा। बिहार 2005 से पहले जिस बदहाल सुरक्षा व्यवस्था से गुजर रहा था, उसे नीतीश कुमार के शासन ने बदल दिया। अपराध में आई गिरावट, सड़क-बिजली में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और रात में भी महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही, ये सब बातें बिहार के सामाजिक मानस में गहराई से दर्ज हैं। एनडीए ने इसका चुनावी लाभ उठाया और जनता ने इसे स्वीकार किया। 2025 का चुनाव इस सबसे महत्वपूर्ण सबक को दोहराता है कि लोकतंत्र में सिर्फ मुद्दे नहीं बल्कि नेतृत्व की विश्वसनीयता मायने रखती है। तेजस्वी युवा और ऊर्जावान हैं लेकिन वे अभी उस परिपक्वता, ठोस दृष्टि और स्थिरता वाले नेतृत्व का विकल्प नहीं बन पाए, जिसकी उम्मीद बिहार का मतदाता करता है। आरजेडी का जाति-केंद्रित चुनाव, महागठबंधन की विफल रणनीति और तेजस्वी की नीतियों का धुंधलापन, इन सबने मिलकर परिणाम तय कर दिए। कुल मिलाकर, यह जनादेश केवल एनडीए की जीत नहीं बल्कि बिहार के मतदाता की राजनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। यहां जनता ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह सिर्फ सरकार नहीं, विश्वास चुनती है। सिर्फ घोषणाओं से नहीं, स्थिरता और सुशासन से प्रभावित होती है और 2025 में यह विश्वास एक बार फिर नीतीश कुमार पर जा टिका है, जो कठिन परिस्थितियों में भी व्यवस्था को थामे रहने वाले दीर्घदृष्टि वाले नेता साबित हुए हैं। यह परिणाम तेजस्वी की हार नहीं, रणनीति की हार है। यह महागठबंधन का पतन नहीं, एनडीए की मजबूती है और यह चुनाव नहीं, बिहार की परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रमाण है।

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।
सम्पादक: चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइल: 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में पाँच दिवसीय वार्षिक स्पोर्टस मीट 'एस.वी.यू. ओयसिस-2025' का शानदार आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय निशानेबाज एवं एशियाड चैम्पियन अनु तोमर, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने दीप प्रज्जवलन एवं 'स्पोर्टस मशाल' जलाकर किया 'एस0वी0यू0 ओयसिस-2025' का शुभारम्भ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय की ओर से वार्षिक स्पोर्टस मीट ''एस.वी.यू. ओयसिस-2025'' का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें वेंक्टेश्वरा की टीमो के साथ-2 जनपद की दो दर्जन से अधिक टीमो के लगभग 1200 से अधिक खिलाड़ियों ने दो दर्जन से अधिक खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। पाँच दिनो तक चलने वाले इस खेल महाकुम्भ में शनिवार को समापन पर विजेता टीम एवं खिलाड़ियों को संस्थान की ओर से ट्रॉफी, मेडल एवं सर्टीफिकेट देकर सम्मानित किया जायेगा।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के मेजर ध्यानचंद ओपन खेल परिसर में ''खेल महाकुम्भ'' वार्षिक स्पोर्टस मीट ''एस.वी.यू. ओयसिस-2025'' का शुभारम्भ अन्तर्राष्ट्रीय निशानेबाज एवं एशियाड चैम्पियन सुश्री अनु तोमर, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, डॉ. मधु चतुर्वेदी, अपर जिलाधिकारी श्रीमति गरिमा सिंह, उपजिलाधिकारी श्रीमति विभा श्रीवास्तव, युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम चैधरी, कुलसचिव डॉ0 पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने ''स्पोर्टस मशाल'' जलाकर एवं सरस्वती माँ के चित्र पर दीप प्रज्जवलित करके किया।

अपने सम्बोधन में संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने कहा कि खेल ही नहीं बल्कि जीवन की किसी भी स्पर्धा में हम कभी हारते नहीं है, जब हम किसी स्पर्धा में प्रतिभाग करते हैं तो, या तो हम जीतते है या फिर सीखते है कि हमारे प्रदर्शन में कहाँ कमी रह गयी। इसलिए युवा विभिन्न स्पर्धाओ में प्रतिभाग अवश्य करें। प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि ''फिट इण्डिया'' ''खेलो इण्डिया'' जैसी शानदार योजनाओं से आज भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

आज ''एस.वी.यू. ओयसिस-2025'' के पहले दिन कबड्डी, भालाफेंक, गोलाफेंक, 100 मीटर दौड़ समेत एक दर्जन प्रतिभागियों में विजेताओ ने अगले दौर में प्रवेश किया। मुख्य अतिथि एस.पी/ अमित कुमार आनन्द ने कहा कि खेलों से ना सिर्फ व्यक्तिगत शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण का भी सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर संयोजक डॉ. नीतू पंवार, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 थॉमस, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 स्नेहलता, डॉ0 शिल्पा रैना, डॉ0 आसिया, डॉ0 सहर्ष, डॉ0 आकाश, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 रीना जोशी, डॉ0 ज्योति, डॉ0 मंजरी राणा, अनुषा कर्णवाल, एस0एस0 बघेल, तरूण कम्बोज, कनिष्क त्यागी, डॉ. श्रीराम गुप्ता, मेरठ परिसर से डॉ. प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज तीन दिवसीय धर्म यात्रा कर्नाटक में हुए शामिल

हुबली एयरपोर्ट पर महाराजश्री का कर्नाटक व राजस्थान के भक्तों ने अभिनंदन किया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

कर्नाटक। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत मंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज तीन दिवसीय धर्म यात्रा के लिए कर्नाटक पहुंच गए। उनका हुंबली एयरपोर्ट पर कर्नाटक व राजस्थान के भक्तों द्वारा स्वागत किया गया। महाराजश्री दिल्ली संत महामंडल के संगठन मंत्री व जूना अखाड़ा के सचिव महामंडलेश्वर कंचन गिरि महाराज, दिल्ली संत महामंडल के कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज तथा ईश्वर गिरि महाराज के साथ गडग शहर में आयोजित 9 अग्नि कुंड अतिरुद्र महायज्ञ और कनिष्ठ कुंभ मेले में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और हवन में आहुति दी व सभी के सुख-समृद्धि के

लिए पूजा-अर्चना की। आयोजक श्री अमरनाथेश्वर महादेव माता के पीठाधीश्वर एवं श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत सहदेवानंद गिरि महाराज तथा अतिरुद्र महायज्ञ सेवा समिति, गडग-बेटेगरी के पदाधिकारियों ने श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज का स्वागत-अभिनंदन किया।

9 अग्नि कुंड अतिरुद्र महायज्ञ और कनिष्ठ कुंभ मेले कराने में 108 ब्राहमण सहयोग करा रहे हैं। इनमें से 60 ब्राहमण 18 नवंबर तक प्रतिदिन प्रतिदिन रूद्राभिषेक करा रहे हैं। भाजपा के जिलाध्यक्ष राजू कुंडी, गोपाल अग्रवाल, आकाश अग्रवाल समेत गडग-बेटेगरी शहर के 40 हजार से अधिक भक्तों ने रविवार को अतिरुद्र महायज्ञ में आहुति दी। महाराजश्री ने कहा कि श्री अमरनाथेश्वर महादेव माता के पीठाधीश्वर एवं श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के सचिव श्रीमहंत सहदेवानंद गिरि महाराज सनातन धर्म का देश-विदेश में प्रचार कर रहे हैं। उनके द्वारा 18 नवंबर तक 9 अग्नि कुंड अतिरुद्र महायज्ञ और कनिष्ठ कुंभ मेले का आयोजन किया जा रहा है, जो हिंदुओं को एकजुट कर सनातन धर्म को मजबूत करने का कार्य करेगा। श्रीमहंत सहदेवानंद गिरि महाराज ने कहा कि श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज जैसे संतों के आगमन से यह आयोजन और भी गरिमामय हो गया है। दिल्ली संत महामंडल के संगठन मंत्री व जूना अखाड़ा के सचिव महामंडलेश्वर कंचन गिरि महाराज ने कहा कि 9 अग्नि कुंड अतिरुद्र महायज्ञ और कनिष्ठ कुंभ मेले जैसे आयोजन से ही सनातन धर्म को मजबूत किया जा सकता है। दिल्ली संत महामंडल के कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज ने कहा कि यह आयोजन धर्म के क्षेत्र में एक मिसाल बनेगा। महाराजश्री से भेंटकर उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा।

एनसीआरटीसी ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर दिव्यांगों को वितरित किए निःशुल्क सहायक उपकरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। एनसीआरटीसी ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और जापान फंड फॉर प्रॉस्पेरस एंड रेजिलिएंट एशिया एंड द पैसिफिक (जेएफपीआर) के सहयोग से गाजियाबाद में दिव्यांगजनों के लिए एक विशेष सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में एनसीआरटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिल्लीझमेरठ नमो भारत कॉरिडोर के आसपास रहने वाले दिव्यांग लोगों को निःशुल्क सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक श्री शलभ गोयल और निदेशक (वित्त) श्रीमती नमिता मेहरोत्रा शामिल हुए और उन्होंने

लगभग 50 दिव्यांगजनों को हस्तचालित ट्राई साइकिलें प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाना और उन्हें सामाजिक एवं आर्थिक तौर पर सशक्त बनाना है। यह सहायता न सिर्फ दिव्यांगजनों के जीवन में गतिशीलता को बढ़ावा देगी बल्कि उनको आत्मविश्वास के साथ जीने की प्रेरणा भी देगी। एनसीआरटीसी द्वारा एडीबी के सहयोग से सामाजिक कल्याण के लिए इस प्रकार के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इन पहलों के अंतर्गत अबतक कई सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए है, जिनके माध्यम से नमो भारत कॉरिडोर के पास रहने वाले वाले दिव्यांगजनों को विभिन्न प्रकार के उपकरण और जरुरतमंदो को स्वयं रोजगार के साधन और कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान कर सहायता की गई। एनसीआरटीसी द्वारा दिव्यांग यात्रियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखते हुए नमो भारत स्टेशनों पर भी दिव्यांगजनों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। दृष्टिहीन दिव्यांग यात्रियों के लिए स्टेशनों पर स्पर्श पथ (टैक्टाइल पाथ) बनाए गए हैं। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर की आसानी से आवाजाही के लिए बड़ी लिफ्टें लगाई गई हैं। इसके अलावा, बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों, महिलाओं और बच्चों सहित सभी यात्रियों के लिए लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा भी प्रदान की गई है। इस प्रकार के प्रयास यह प्रमाणित करते है कि नमो भारत सिर्फ यात्रा का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक विकास, कल्याण और सामाजिक सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करने का एक सशक्त माध्यम भी है।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में 'बाल दिवस-2025' पर 'राष्ट्र सेवा शपथ एवं जागरूकता रैली' का शानदार आयोजन

पश्चिमी यूपी के विभिन्न स्कूलो से आयी तीन हजार से अधिक बालिकाओ को प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने दिलायी राष्ट्रीय एकता एवं विकसित भारत में योगदान की शपथ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

युवा बालक बालिकाऐं इस देश का भविष्य, विकसित भारत/2047 में सबसे बड़ा योगदान इस युवा पीढी का ही होगाः श्री सुधीर गिरि, संस्थापक अध्यश वेंक्टेश्वरा समूह

मेरठ। आज राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय में बाल दिवस-2025 पर ''राष्ट्र सेवा शपथ समारोह एवं जागरूकता रैली'' का शानदार आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभाग करते हुए पश्चिमी यूपी के विभिन्न सरकारी स्कूलो की तीन हजार से अधिक बालिकाओ ने विकसित भारत/2047 में अपना शतप्रतिशत योगदान सुनिश्चित करते हुए राष्ट्र सेवा की शपथ ली, एवं संस्थान परिसर में विशाल रैली निकालकर जातिवाद, क्षेत्रवाद, से ऊपर उठकर देश की अखण्डता एवं राष्ट्रीय एकता के लिए सभी से एकजुट होने का आवहान किया। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के तिरंगा मैदान में बाल दिवस पर आयोजित सेवा शपथ समारोह एवं जागरूकता रैली का शुभारम्भ प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलसचिव डॉ. पीयूष कुमार पाण्डेय, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल आदि ने हरी झण्डी दिखाकर किया।

अपने सम्बोधन में उपस्थित युवा बालिकाओ को ''राष्ट्र सेवा'' की शपथ दिलाते हुए प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। यह राष्ट्र युवा शक्ति के बल पर ना सिर्फ ''विकसित राष्ट्र'' बनेगा, बल्कि 2047 तक यह दुनिया का सिरमौर होगा। लेकिन इसके लिए हमें इस युवा पीढ़ी इस नौनिहालो के अधिकारो की रक्षा, उनकी शिक्षा एवं सवार्गीण विकास के लिए एकजुट होकर काम करना होगा ।

इस अवसर पर डॉ. ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ. नीतू पंवार, डॉ. सुमन कश्यप, डॉ. एस.एन. साहू, डॉ. आशुतोष, डॉ. योगेश्वर शर्मा, डॉ. थॉमस, डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, डॉ. ओमप्रकाश गोसाई, डॉ. अश्विन सक्सेना, डॉ. राजवर्द्धन, एस.एस. बघेल, अरूण गोस्वामी, मारूफ चैधरी, मेरठ परिसर से निदेशक डॉ0 प्रताप, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे भगवान बिरसा मुंडा: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ढोल-नगाड़ों की थाप से जनजाति भागीदारी उत्सव का शुभारंभ किया

- उत्सव में उत्तर प्रदेश आकर 22 राज्यों के कलाकार बन रहे सहभागी
- बोले सीएम- जनजातियों को दिया जा रहा विकास की योजनाओं का लाभ
- सीएम योगी ने विकास कार्यों को भी गिनाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा भारत की स्वाधीनता के पक्षधर थे। इसके लिए उन्होंने अभियान चलाया, जिस पर तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार किया। मात्र 25 वर्ष की आयु में उन्होंने रांची की जेल में अंतिम सांस ली। उन्होंने जनजाति समुदाय को नारा दिया कि अपना देश-अपना राज। देश हमारा है तो राज भी हमारा ही होना चाहिए, विदेशी हुकूमत भारत में राज न करे। धरती आबा को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी ने 15 नवंबर को जनजाति दिवस के रूप में आयोजित करने की प्रेरणा दी। सीएम योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को ढोल-नगाड़ों की थाप से जनजाति भागीदारी उत्सव का शुभारंभ किया। सीएम ने यहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान मेजबान उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के जनजाति कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति भी दी। सीएम योगी ने इस वर्ष की विशेषता बताते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पहली से 15 नवंबर तक देश में जनजाति गौरव पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। सरकार द्वारा जनजाति समुदाय को समाज व राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने व सम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि जनजातीय समुदाय की आबादी यूपी में कम है। पहले सरकारी नौकरी के विज्ञापन निकालते थे तो अनुसूचित जाति की पूरी सीटें नहीं भरी पाती थीं। अभी हाल में 60,244 पुलिस की भर्ती की गई तो इसमें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटें उसी समाज के युवाओं से भरी गईं।

जनजाति गौरव की पुनर्स्थापना के साथ ही समाज को बढ़ा रही डबल इंजन सरकार

सीएम योगी ने अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति का जिक्र किया। कहा कि हम लोगों ने अब तक 1.50 लाख छात्रों को इन योजनाओं से लाभान्वित किया है। 9 आश्रम पद्धति विद्यालय लखीमपुर खीरी, बलरामपुर, बहराइच, महराजगंज, श्रावस्ती, बिजनौर में संचालित हैं। इनके माध्यम से 2026 जनजाति छात्र-छात्राओं को शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। जनजाति छात्रों के लिए दो नि:शुल्क छात्रावास का संचालन किया जा रहा है। 8 छात्रावास (लखीमपुर खीरी, चंदौली में दो-दो, बलिया, गोरखपुर, मीरजापुर, सोनभद्र में एक-एक) निर्माणाधीन हैं। जनजाति छात्रों के लिए लखीमपुर खीरी, बहराइच व सोनभद्र में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय संचालित है और ललितपुर में निर्माणाधीन है। कक्षा छह, 9 व 11 की वे छात्राएं, जो आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत नहीं हैं, उन्हें यूनिफॉर्म, साइकिल योजना से लाभान्वित किया जा रहा है। सीएम ने वनाधिकार अधिनियम की चर्चा की और कहा कि प्रदेश सरकार ने 13 जनपदों में इसे लागू किया है। अनुसूचित जनजाति के 23,430 से अधिक ऐसे लोग, जो वनों में निवास करते हैं। उन्हें भूअधिकार पत्र देकर उनके दावों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करके मालिकाना अधिकार उपलब्ध करवाया गया। डबल इंजन सरकार जनजाति गौरव की पुनर्स्थापना के साथ ही जनजाति समाज की मांग के प्रति संवेदना व सद्भावना व्यक्त कर रही है। डबल इंजन सरकार उनकी सुरक्षा और विरासत का संरक्षण कर रही है। इस अवसर पर पर्यटन-संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण, अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, उपाध्यक्ष बेचन राम, विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश आदि मौजूद रहे।

जनजातीय बाहुल्य 517 गांवों को सभी योजनाओं से जोड़ने का किया गया कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जितनी भी अनुसूचित जनजाति की बस्तियां हैं, धरतीआबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत उन्हें सभी सुविधाओं से आच्छादित किया जा रहा है। इसके लिए 26 जनपदों के 47 ब्लॉक व 517 ग्रामों को चिह्नित किया है। इनमें सोनभद्र में सर्वाधिक 176 गांव, बलिया के 61, ललितपुर के 36, देवरिया, लखीमपुर खीरी व कुशीनगर के 34-34, गाजीपुर के 26, मीरजापुर के 20, गोरखपुर के 18, चंदौली के 17, बलरामपुर के 16, पीलीभीत, प्रयागराज व सिद्धार्थनगर के 7-7, बिजनौर के 5, बहराइच व बस्ती के तीन-तीन, बाराबंकी, भदोही, महराजगंज, श्रावस्ती के दो-दो, अंबेडकरनगर, महोबा, संतकबीरनगर, जौनपुर, सीतापुर के एक-एक गांव को आच्छादित करने का कार्य किया गया है।

22 राज्यों के कलाकार उत्तर प्रदेश आकर बन रहे सहभागी

सीएम योगी ने कहा कि सांस्कृतिक समागम में 22 राज्यों के कलाकारों को जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। कलाकार सहभागिता की दृष्टि से अरुणाचल प्रदेश पार्टनर स्टेट है। गुजरात, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, सिक्किम, उड़ीसा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, मिजोरम, गोवा, केरल, पश्चिम बंगाल, असम, हिमाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा, झारखंड व पंजाब के कलाकार उत्तर प्रदेश में आकर जनजाति भागीदारी उत्सव में सहभागी बन रहे हैं। यहां हस्तशिल्प व कला प्रदर्शनी, व्यंजन मेला और जनजाति साहित्य को समर्पित साहित्यिक व विकास मंच भी है।

जनजातियों को दिया जा रहा विकास की योजनाओं का लाभ

सीएम योगी ने कहा कि सरकार ने तय किया कि उत्तर प्रदेश में जितनी भी जनजातियां हैं, उन्हें अधिकार प्राप्त हो और उन्हें सेचुरेशन के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में कार्य हो। थारू, मुसहर, चेरो, बुक्सा, सहरिया, कोल, गौड़ आदि जनजातियों को शासन की सभी योजनाओं से आच्छादित करने के लिए सरकार ने मिशन मोड पर अभियान चलाया। परिणामस्वरूप ज्यादातर जनजातियों को विकास की योजनाओं (कनेक्टिविटी, पेयजल, बिजली, पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत) का लाभ दिया जा रहा है।

सीएम ने की प्रधानमंत्री आदिवासी न्याय महाभियान की चर्चा

सीएम ने कहाकि जनजाति समुदाय के लिए पीएम जनमन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान के माध्यम से अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। बिजनौर में बुक्सा जनजाति को सूची में श्रेणीबद्ध किया गया है। इसके तहत 815 परिवारों को, इसमें बुक्सा जनजाति के 145 पीएम आवास व समस्त घरों के विद्युतीकरण, पेयजल, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आंगनबाड़ी सेंटर, पांच बसावटों में मोबाइल टावर, पांच मल्टीपर्पज सेंटर व पांच वनधन केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं।

जनजातीय गौरव को नई पहचान, योगी सरकार ने बदली वंचित समाज की तस्वीर

517 जनजातीय बहुल गांवों में सैचुरेशन आधारित विकास, धरती आबा अभियान बना बदलाव की धुरी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जनजातीय समाज के जीवन में जो बदलाव आया है, वह सिर्फ योजनाओं का विस्तार नहीं बल्कि सम्मान और अधिकारों की पुनर्स्थापना की एक बड़ी कहानी है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इन समुदायों को योगी सरकार ने न केवल मुख्य धारा में जगह दिलाई बल्कि उनकी परंपराओं, जरूरतों और सपनों को शासन की प्राथमिकता बनाया। मुख्यमंत्री की सोच हमेशा यही रही है कि विकास तभी सार्थक है जब वंचितों को वरीयता मिले और अंत्योदय से सर्वोदय का रास्ता खुले। प्रदेश में थारु, बुक्सा, भोटिया, जौनसारी, राजी, गोंड, बैगा, सहरिया, मुसहर और चेरो जैसी जनजातियों के 11 लाख से अधिक लोगों के जीवन को बदलने के लिए सरकार ने योजनाएं जमीन पर उतारीं। वनाधिकार अधिनियम के तहत आवासीय अधिकार दिए गए, मुख्यमंत्री आवास योजना से वनवासियों को पक्के घर मिले और पीएम जनमन योजना के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसी मूलभूत सुविधाओं को सीधे उनके द्वार तक पहुंचाया गया।

खास तौर पर बुक्सा जनजाति के 815 परिवारों को हर सुविधा से संतृप्त कर एक नई मिसाल पेश की गई। 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' और 'धरती आबा जनभागीदारी अभियान' ने जनजातीय इलाकों में विकास की असली तस्वीर बदली। 26 जिलों के 517 गांवों तक पहुंचकर सरकार ने कनेक्टिविटी से लेकर आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला, जनधन, किसान सम्मान निधि और विश्वकर्मा जैसी योजनाओं का सैचुरेशन कराया।

मुख्यमंत्री योगी के सख्त निर्देशों का असर, प्रदेश में पराली जलाने की घटनाओं में आई उल्लेखनीय कमी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों और सतत मॉनिटरिंग के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश में पराली जलाने की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। राज्य सरकार के सक्रिय प्रयासों से अब किसान फसल अवशेष प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

कम हुई पराली जलाने की घटनाएं

मथुरा, पीलीभीत, सहारनपुर, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, कौशांबी, एटा, हरदोई, जालौन, फतेहपुर, महराजगंज, कानपुर देहात, झांसी, मैनपुरी, बहराइच, इटावा, गोरखपुर, अलीगढ़, उन्नाव और सीतापुर जैसे कुल 20 जनपदों में पराली जलाने की घटनाओं में स्पष्ट कमी दर्ज की गई है। इसमें भी एटा, कौशांबी, सीतापुर और उन्नाव जैसे जनपदों में सबसे कम पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। यह स्थिति बताती है कि मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों का जमीनी असर दिखाई देने लगा है। सीएम योगी ने सभी जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों को निर्देशित किया था कि पराली जलाने की घटनाओं की सेटेलाइट से निगरानी की जाए। साथ ही किसानों को वैकल्पिक उपायों के प्रति जागरूक किया जाए। प्रशासन द्वारा किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन मशीनों, कंपोस्टिंग तकनीक और बायो-डीकंपोजर के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जुर्माने और जिम्मेदारी की सख्त व्यवस्था

राज्य सरकार ने पराली जलाने वालों के खिलाफ पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति शुल्क तय किया है। इसके अनुसार, दो एकड़ से कम क्षेत्र पर 2,500, दो से पांच एकड़ तक 5,000, पांच एकड़ से अधिक पर 15,000 क्षतिपूर्ति शुल्क लगेगा। साथ ही प्रत्येक 50 से 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जा रही है, जो अपने क्षेत्र में पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम सुनिश्चित करेंगे।

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2025 उत्तर प्रदेश की विश्व पटल पर नई आर्थिक उड़ान

उत्तर प्रदेश होगा साझीदार राज्य, 343 ओडीओपी स्टॉल एवं 2750 प्रतिभागी लेंगे भाग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 'एक भारत श्रेष्ठ भारतह्व की थीम पर आधारित 44वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले 2025 का आयोजन भारत मंडपम, नई दिल्ली में 14 से 27 नवंबर तक किया जा रहा है। इस वर्ष आयोजित किये जा रहे अतंर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के साथ ₹साझेदार राज्य₹ के रूप में भाग ले रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश 44वें अतंर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में अपनी 'लोकल टू ग्लोबलह्व की आर्थिक रणनीति को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करेगा। जिसका मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश को एक वैश्विक व्यापर के केंद्र के तौर पर विकसित करना, साथ ही प्रदेश के स्थानीय उत्पादों की पहुंच वैश्विक बाजार तक स्थापित करना है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा इस मेले को राज्य की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना, युवा स्टार्टअप्स और बढ़ती हुई महिला उद्यमिता को प्रदर्शित करने के लिये भी की जाएगी। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में उत्तर प्रदेश एक साझीदार राज्य के रूप में शामिल हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'लोकल टू ग्लोबलह्व की मुहीम को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से राज्य के 2,750 से अधिक प्रदर्शक भागीदारी करेंगे। साथ ही इस मेले में 343 स्टॉल ओडीओपी योजना के अंतर्गत स्थापित किए जायेंगे। व्यापार मेले में राज्य की ओर से लगाये जा रहे ओडीओपी स्टॉल्स में आगरा का पेठा, बनारसी हस्तशिल्प, भदोही की कार्पेट, मेरठ के खेल सामान, कानपुर के चमड़े के उत्पाद, फिरोजाबाद के ग्लासवेयर और सहारनपुर की लकड़ी की कलाकृतियों जैसे उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने प्रदर्शित किया जाएगा। आधुनिक पैकेजिंग, डिजिटल मार्केटिंग और सस्टेनेबल प्रैक्टिसेज के साथ पेश किए जा रहे ये उत्पाद अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों में प्रवेश करने की क्षमता रखते हैं। मेले के दौरान विदेशी निवेशकों एवं प्रतिनिधिमंडलों के साथ ओडीओपी उत्पादकों की बी टू बी मीटिंगस का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे राज्य के स्थानीय उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। यूपी सरकार विशेष तौर पर राज्य के युवा स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों को प्राथमिकता दे रही है। उत्तर प्रदेश से लगभग 150 से अधिक युवा स्टार्टअप्स और महिला उद्यमी भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में अपनी नवोन्मेषी पहल पेश करने के लिये भेजे जाएगें। ये स्टार्टअप्स न केवल रोजगार सृजन कर रहे हैं, बल्कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रहे हैं। महिला उद्यमियों की भागीदारी न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी प्रतीक हैं, ये महिलाएं गांवों से निकलकर वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रदेशवासियों को दी बड़ी सौगात

एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत तथा मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

- बिजली बिल राहत योजना 2025 से उपभोक्ताओं को मिलेगी ऐतिहासिक राहत
- तीन चरणों में लागू होगी योजना, मासिक किस्तों में भुगतान की भी सुविधा

लखनऊ/गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए बिजली बिल राहत योजना 2025 लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत नेवरपेड और लॉन्ग अनपेड उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी। यह बात प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने संगम सभागार में प्रेस वार्ता कर बताया। इस दौरान उनके साथ अपर मुख्य सचिव श्री नरेंद्र भूषण, चेयरमैन श्री आशीष गोयल एवं एमडी पंकज कुमार भी मौजूद रहे। विद्युत बिल राहत योजना 2025 के अंतर्गत बकाया धनराशि को एक मुश्त जमा करने पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत एवं मूलधन में 25 प्रतिशत तक छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। ऊर्जा मंत्री ने इस योजना को जनता के लिए 'सरकार का उपहार और जनसहभागिता से जुड़ी अभूतपूर्व पहलह्व बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी उपभोक्ता बिजली बिल के बोझ तले दबा न रहे और साथ ही राज्य की बिजली वितरण व्यवस्था आर्थिक रूप से सुदृढ़ बने। इस योजना से एक ओर जहां सरकारी खजाने में भारी राजस्व की वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी।

घरेलू और वाणिज्यिक दोनों वर्गों को लाभ

यह योजना घरेलू उपभोक्ताओं (2 किलोवाट तक) और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं (1 किलोवाट तक) दोनों के लिए लागू होगी इतना ही नहीं, बिजली चोरी से संबंधित प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि पर भी छूट देने का प्रावधान किया गया है। इससे उन उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी जो अनजाने में तकनीकी अथवा मीटर संबंधी त्रुटियों के कारण विवादों में फंसे हुए थे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि सरकार ने गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी दी है। इससे वे उपभोक्ता, जो एकमुश्त भुगतान करने में असमर्थ हैं, वे भी योजना का लाभ उठाकर अपने बकाया बिलों का निस्तारण कर सकते हैं। यह कदम प्रदेश के लाखों छोटे उपभोक्ताओं को आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने वाला होगा।

सरकार के लिए जनता का हित सर्वोपरि

श्री शर्मा ने कहा कि यह योजना केवल छूट देने का निर्णय नहीं, बल्कि विश्वास और संवेदनशील शासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार की प्राथमिकता है जनता की सुविधा, सेवा और संतोष। बिजली बिल राहत योजना उसी सोच का प्रतिफल है, जो जनता को केंद्र में रखकर बनाई गई है।यह योजना उत्तर प्रदेश की ऊर्जा यात्रा को नई दिशा देने, उपभोक्ताओं के बोझ को कम करने और सरकार की पारदर्शी नीतियों को सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत तथा मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट

ऊर्जा मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि योजना के अंतर्गत यदि कोई उपभोक्ता अपना बिजली बिल एकमुश्त जमा करता है, तो उसे सरचार्ज में 100 प्रतिशत के साथ-साथ बकाए के मूलधन में 25 प्रतिशत छूट मिलेगी। यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। प्रथम चरण (1 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक) पंजीकरण कराने पर 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण (1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक) में 20 प्रतिशत तथा तृतीय चरण (1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक) पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। मंत्री श्री शर्मा ने कहा, 'जो उपभोक्ता पहले पंजीकरण कर भुगतान करेंगे, उन्हें अधिक लाभ मिलेगा। इसलिए प्रदेश के नागरिकों से अपील है कि वे योजना के प्रथम चरण में ही भाग लें।

अधिकारी एवं जनता दोनों मिलकर इस योजना को बनाएं सफल

ऊर्जा मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि योजना के प्रचार-प्रसार और क्रियान्वयन में कोई ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक उपभोक्ता को इसकी जानकारी मिले और वे आसानी से पंजीकरण कर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी इस योजना को जनसंपर्क अभियान के रूप में जनता तक पहुंचाएं, ताकि हर पात्र उपभोक्ता इसका लाभ उठा सके। इसके साथ ही उन्होंने इस योजना के लगातार मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

ओवर बिलिंग व अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के लिए भी राहत

श्री शर्मा ने कहा कि योजना के दौरान विभाग ओवर बिलिंग और अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का भी संशोधन करेगा, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय भार न पड़े और उन्हें सही व पारदर्शी बिलिंग का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि 'यह केवल एक छूट योजना नहीं, बल्कि उपभोक्ता के विश्वास और पारदर्शिता को पुन: स्थापित करने की मुहिम है। ऐसे उपभोक्ताओं को बिल की धनराशि जमा करने हेतु एक मासिक औसत धनराशि निधारित की गई है। बिलिंग सिस्टम द्वारा इन उपभोक्ताओं के विद्युत बिल, नारमेटिव धनराशि के आधार पर संसोधित किए जायेंगे।

सुविधाजनक पंजीकरण प्रक्रिया

इस योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को अत्यंत सरल बनाया गया है। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट ६६६.४स्रस्रू'.झ्र१ॅ पर, संबंधित खंड/उपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र (उरउ) एवं किसी भी विभागीय कैश काउंटर से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के संबंध में मंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी उपभोक्ता को प्रक्रिया में कोई कठिनाई न हो और सभी आवेदन समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से स्वीकार किए जाएं साथ ही पूरी प्रक्रिया की सतत निगरानी भी की जाए।

विद्युत चोरी के प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि में भी छूट

योजना के अंतर्गत चोरी के प्रकरणों में सम्मिलित व्यक्तियों को राजस्व निर्धारण धनराज में छूट प्राप्त करने हेतु व्यक्ति को पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण कराने के लिए व्यक्ति को 2000 अथवा राजस्व निर्धारण धनराशि का 10 प्रतिशत धनराशि जो भी अधिक हो, का भुगतान करना होगा।

ए.के. शर्मा का संदेश: जनता की सुविधा सर्वोच्च

ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि यह योजना जनता के लिए लाई गई एक अभूतपूर्व पहल है। हमने हमेशा यह प्रयास किया है कि जनता को न केवल बिजली मिले बल्कि राहत भी मिले। ह्यबिजली बिल राहत योजना 2025' से जनता को आर्थिक बोझ से मुक्ति मिलेगी और बिजली विभाग के प्रति उनका विश्वास और भी मजबूत होगा। उन्होंने आगे कहा कि यह योजना जनता की योजना, जनता के लिए है और हर उपभोक्ता को इसका लाभ लेना चाहिए।

प्रदेश के विकास की ऊर्जा यात्रा में नया अध्याय

श्री शर्मा ने कहा कि यह योजना प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन का नया अध्याय जोड़ती है। इससे विद्युत वितरण निगमों की वसूली दर में सुधार होगा, बकाया घटेगा और नई परियोजनाओं के लिए संसाधन उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि 'हमारा लक्ष्य है ह्यबिजली सबके लिए – राहत सबको।' यह योजना उस दिशा में एक ठोस कदम है।

सेहत/स्वास्थ्य

घर के सदाबहार फूल में छुपा है डायबिटीज कंट्रोल का राज, ऐसे करें सेवन

सदाबहार का फूल औषधीय गुणों से भरपूर होता है। सदाबहार की पत्तियां और फूलों में एल्कलॉइड पाया जाता है, जो इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इसको डाइट में कैसे शामिल करना है।

डायबिटीज को कंट्रोल करने में सही डाइट का मुख्य रोल होता है। अक्सर लोगों का मानना होता है कि सिर्फ मीठा खाने से शुगर बढ़ता है और यदि आप मीठा खाना छोड़ देते हैं, तो ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में आ जाता है। लेकिन असल में ऐसा नहीं है। भले ही मीठा खाने या न खाने से ब्लड शुगर लेवल पर इसका असर होता है, लेकिन यह डायबिटीज को मैनेज करने के लिए काफी नहीं होता है। बता दें कि ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में कई फल-फूल, सब्जियां और मसाले महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इन्हीं में से एक सदाबहार का फूल है। यह फूल औषधीय गुणों से भरपूर होता है। सदाबहार की पत्तियां और फूलों में एल्कलॉइड पाया जाता है, जो इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप इसको डाइट में कैसे शामिल करना है और यह ब्लड शुगर लेवल को कैसे कंट्रोल करता है।

डायबिटीज कंट्रोल करेगा सदाबहार का फूल

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो सदाबहार यानी की कैथेरेन्थस रोजियस एक साधारण पौधा है। लेकिन यह साधारण सा पौधा ब्लड शुगर को बैलेंस करने में सहायता करता है। इसमें एल्कलॉइड्स इंसुलिन पाया जाता है, जो कि सेंसिटिविटी को सुधारते हैं और इससे पेनक्रियाटिक सेल्स को प्रोटेक्शन मिलता है। सदाबहार की फूल और पत्तियां सेल्स में ग्लूकोज पहुंचाने में सहायता करता है। इसमें हाइपोग्लाइसेमिक गुण पाए जाते हैं, जोकि ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद करते हैं। वहीं इसके सेवन से इंसुलिन सीक्रेशन बढ़ता है। इनके सेवन से बीटा-पैंक्रियाद सेल्स से इंसुलिन का उत्पादन बढ़ता है और यह बॉडी को डिटॉक्स करने में सहायता करता है और इससे खून भी साफ होता है।

सदाबहार के फूल और पत्तियों को डाइट में करें शामिल

बता दें कि खाली पेट सदाबहार के फूल की दो-तीन पत्तियों को चबाना चाहिए। रोजाना सदाबहार की पत्तियों का 1-2 चम्मच जूस पिएं।

इसके अलावा आप 1-2 सदाबहार के फूल को पानी में उबालकर इसको दिन में 1 बार पिएं।

सदाबहार की पत्तियों का पाउडर दिन में 2 बार गुनगुने पानी के साथ सेवन करना चाहिए।

सदाबहार के फूल और पत्तियों को इस तरह से डाइट में शामिल करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में आ सकता है। हालांकि ध्यान रखें कि इनका अधिक मात्रा में सेवन न करें, साथ ही सही डाइट पर भी ध्यान दें।

ब्यूटी / फैशन

वेडिंग सीजन में दिखना है सबसे ग्लैमरस? भूमि पेडनेकर का यह लहंगा लुक जरूर करें ट्राई!

बॉलीवुड डीवज के लुक्स इंस्पायर होकर आप भी फेस्टिव सीजन लेकर शादी के मौसम के लिए भूमि पेडनेकर का यह लहंगा लुक डिजाइन ट्राई कर सकते हैं। फैशन लवर्स ट्रेंडिंग लुक के लिए बॉलीवुड हीरोइन से प्रेरणा लेकर एक परफेक्ट ट्रेडिशनल आउटफिट को वियर कर सकते हैं। भूमि ने हाल ही में एक सुंदर-सा पेस्टल शेड के लहंगे में पोज देती नजर आई हैं। इन फोटोज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा रखा है। इस लुक में एक्ट्रेस एलिगेंट दिख रही है। मिनिमल मेकअप लुक, स्टेटमेंट ज्वेलरी और फ्लोई सिल्हूट के साथ उनका यह लहंगा वाकई सुंदर नजर आ रहा है। इस लहंगा लुक में एक्ट्रेस रॉयल लग रही है। आप भी इस लहंगा को अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। भूमि पेडनेकर लहंगा की खासियत-

भूमि पेडनेकर का हालिया पेस्टल पिंक लहंगा लुक वेडिंग सीजन के लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचाई है। इस एलिगेंट भूमि पेडनेकर लहंगा में मॉर्डन कट ब्लाउज, डेलिकेट एम्ब्रॉयडरी और स्टेटमेंट ज्वेलरी का शानदार मिश्रण है, जो आपको ग्लैमरस और रॉयल लुक दे सकता है।

पेस्टल पिंक का चयन

फोटो में आप देख सकते हैं कि भूमि ने पेस्टल पिंक शेड को चूज किया है। फेस्टिवल से लेकर वेडिंग तक यह रंग काफी काफी ट्रेंड में है। लहंगे पर डिलेकेट व्हाइट एम्ब्रॉयडरी पूरे लुक में एथनिक ग्रेस जोड़ता है। यह व्हाइट थ्रेडवर्क इस शेड के साथ बेहतरीन कंट्रास्ट बनाता है।

मॉर्डन कट ब्रालेट डिजाइन ब्लाउज

एक्ट्रेस ने ट्रेडिशनल चोली की जगह एक क्रोश-इफेक्ट, मॉडर्न कट ब्लाउज पहना है। यह लहंगा एकदम इंडो-वेस्टर्न लुक प्रदान करता है।

मैचिंग दुपट्टा और ड्रेपिंग स्टाइल

एक्ट्रेस ने सॉफ्ट पिंक शेड का दुपट्टा सिंगल-साइड ड्रेप किया गया है। यह इस लुक को एकदम मिनिमल रख रहा है।

स्टेटमेंट सिल्वर-टोन ज्वेलरी

एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने चोकर, ब्रेसलेट और स्टेटमेंट ईयरस्टड्स चुनें जो आउटफिट को ग्लैम लुक दे रही है। यह ज्वेलरी लहंगा के साथ मैच कर रही है।

नेचुरल मेकअप और हेयरस्टाइल

भूमि ने न्यूड लिप्स, ग्लोई बेस और मस्कारा-फोकस्ड आईज ने लुक को सॉफ्ट और मॉर्डन टच दिया है। वहीं, स्ट्रेट ओपन हेयर लहंगे की खूबसूरती में चार चांद लगा रही है।

पर्यटन

रील और रियल लाइफ का संगम, ये शहर आपको देंगे फिल्मों सा भव्य अनुभव

> दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पर जाते ही आपको ऐसा लगेगा कि आप किसी फिल्मी दुनिया में आ गए हैं। यहां की इमारतें, गलियां, कैफे और लोग सब मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं, जो आपको पूरी जिंदगी याद रहते हैं। वहीं फोटोग्राफी के लिहाज से भी यह जगहें बेस्ट हैं।

घूमने-फिरने का शौक तो हर किसी को होता है। हर कोई ऐसी जगहों पर जाना चाहता है, जहां पर वह ढेरों यादगार पलों को इकट्ठा कर सकें। वहीं कुछ खास पलों को खुलकर एंजॉय कर सकें। दुनिया भर में कई ऐसे शहर हैं, जो किसी फिल्मी दुनिया से कम नहीं लगते हैं। इन जगहों पर जाते ही आपको ऐसा लगेगा कि आप किसी फिल्मी दुनिया में आ गए हैं। यहां की इमारतें, गलियां, कैफे और लोग सब मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं, जो आपको पूरी जिंदगी याद रहते हैं। वहीं फोटोग्राफी के लिहाज से भी यह जगहें बेस्ट हैं। अगर आप भी ऐसी जगहों की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जयपुर

अगर भारत में कोई ऐसी जगह है, जो फिल्मी दुनिया का एहसास कराती है। यह राजस्थान का गुलाबी शहर जयपुर है। जयपुर शहर इतिहास, रंगों और रॉयल लुक से भरपूर है। यहां के किले, महल और हवेलियां में आपको बीते वक्त की झलक देखने को मिलेगी। इसके साथ ही रंग-बिरंगे कपड़े, भीड़-भाड़ वाले बाजार, मसाले और हस्तशिल्प हर गली को खास बनाते हैं। आपको जयपुर में सब कुछ गुलाबी देखने को मिलेगा। गुलाबी रंग की इमारतें और पारंपरिक डिजाइन इस शहर को वाकई फिल्मी एहसास देते हैं।

वेनिस

वैसे तो वेनिस एकदम सपनों का शहर लगता है और यहां का नजारा भी काफी ज्यादा रोमांटिक होता है। आप यहां पर गोंडाला राइड करते समय डूबते हुए सूरज का शानदार नजारा देख सकते हैं। वहीं पानी में झलकती इमारतों को देखना किसी फिल्म जैसा अनुभव होता है।

सेंटोरिनी (ग्रीस)

सफेद रंग के घर, नीले गुंबद वाले चर्च और समुद्र के किनारे बसा सेंटोरिनी शहर किसी रोमांटिक फिल्म की शूटिंग जैसा लगता है। सेंटोरिनी में सनसेट का नजारा काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है और यह शहर नेचुरल ब्यूटी का जीता जागता उदाहरण है।

रोम (इटली)

जब भी खूबसूरत शहरों की बात होती है, तो सबसे पहले इटली का नाम लिया जाता है। इटली में कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। इटली का रोम शहर अपने आप बेहद शानदार है। ट्रेवी फाउंटेन, कोलोसियम और पुरानी गलियों वाला रोम हर एक पल को खास और फिल्मी बना देता है। यहां की ऐतिहासिक इमारतें भी किसी टाइम ट्रैवल का एक्सपीरियंस कराती हैं।

पेरिस

लोग पेरिस को 'City Of Love' कहते हैं। इस शहर की खूबसूरती आपको हर गली-नुक्कड़ पर देखने को मिलती है।

पेरिस की सीन नदी, एफिल टॉवर और पुराने पुल जैसे किसी फिल्म का सीन लगते हैं। पेरिस के छोटे-छोटे कैफे, शांत गलियां और सड़क पर कला दिखाते कलाकार हर पल को खास बना देते हैं।

दुबई

बता दें कि दुबई एक ऐसी जगह है, जहां पर जाने का सपना हर भारतीय का होता है। यहां की ऊंची इमारतें, चमकते मॉल और बुर्ज खलीफा इसको पूरी तरह से मॉर्डन फिल्म सेट जैसा बनाते हैं। रात की रोशनी और रेगिस्तान सफारी दुबई का यूनिक कॉम्बिनेशन है।

घरेलू नुस्खे

आपका धनिया हफ्तों तक रहेगा हरा-भरा और फ्रेश! सर्दियों में स्टोर करने का बेस्ट तरीका

हरा धनिया को हफ्तों तक ताजा और हरा-भरा रखने के लिए उसे धोने से बचें या धोकर अच्छी तरह सुखा लें, क्योंकि नमी पत्तियों को सड़ा देती है। एयरटाइट डिब्बे, अखबार, टिश्यू पेपर, पन्नी या एल्युमिनियम फॉयल का उपयोग करके फ्रिज में स्टोर करने से आप धनिया को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं। यह तरीका सर्दियों में धनिया को पीला होने से बचाता है और आपके किचन के लिए एक उपयोगी टिप है।

सर्दी का मौसम हो या गर्मी, हर सीजन में हरा धनिया खूब खाया जाता है। यह खाना को भी टेस्टी बनाता है। हर धनिया खाने से सेहत भी बढ़िया रहती है। यह सब्जी-दाल का स्वाद बढ़ाता है। हरा धनिया ज्यादातर लोग फ्रिज में स्टोर करके रखते हैं, जिससे ये हरी बनी रहे। सर्दियों के मौसम में कुछ ही दिनों में इसकी पत्तियां पीली होने लगती है। यदि आप भी हरे धनिया को खराब होने से बचाना चाहते हैं, तो इसे सही ढंग से स्टोर करना जरुरी है। इस लेख में हम आपको बताएंगे हरा धनिया को स्टोर कैसे करें।

बिना धोएं

बाजार से हरे धनिया लाने के बाद भूलकर भी उसे धोना नहीं चाहिए। धनिया धोने से पानी लगा रहता है और ये पत्तियां सड़ने लगती हैं। यदि आप धोते हैं, तो इसे सुखाकर ही रखें। वरना धनिया दो दिन के अंदर ही खराब हो जाएगा।

एयर टाइट डिब्बा

धनिया को आप एयर टाइट डिब्बे में बंद करके रख सकते हैं। एयर टाइट डिब्बे में हरी धनिया खराब नहीं होगी और पत्तियां पीली नहीं पड़ेगी।

अखबार

आप धनिया को अखबार में अच्छे से लपेटकर फ्रिज में रख सकते हैं। अखबार में नमी नहीं पहुंचती और ये धनिया को हरा-भरा रखेगा। धनिया को अखबार में लपेटकर पन्नी में रख सकते हैं।

टिश्यू पेपर

अखबार न हो, तो आप टिश्यू पेपर को धनिया के ऊपर लपेट सकते हैं। इससे आपका धनिया भी हरा बना रहेगा और इसे आप फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

पन्नी

हरे धनिया को आप पन्नी में बांधकर रख सकते हैं। ध्यान रहे है कि इसमेम पानी नहीं होना चाहिए। अगर पन्नी में पानी होगा, तो धनिया खराब हो जाएगी।

एल्युमिनियम फॉयल

हरे धनिया को हरा-भरा बनाकर रखने के लिए आप एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। एल्युमिनियम फॉयल में धनिया को अच्छे से लपेट लें और फिर इसको फ्रिज में स्टोर करके रख दें। आपका हरा धनिया कई हफ्तों तक हरा-भरा रहेगा।

प्रोफेशनल सम्मेलन कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। विधानसभा क्षेत्र के एवीएस गार्डन में प्रोफेशनल सम्मेलन कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान 25 सितंबर 2025 से 25 दिसंबर 2025 के अंतर्गत प्रोफेशनल सम्मेलन कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष भाजपा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में स्थानीय प्रोफेशनल्स, उद्यमियों एवं युवा वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभी को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न व्यवसायिक वर्गों, उद्यमियों एवं प्रोफेशनल्स ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। सम्मेलन के माध्यम से आत्मनिर्भरता, कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने संबंधी उपयोगी दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विशेष रूप से सत्येंद्र सिसोदिया क्षेत्रीय अध्यक्ष, डॉ मंजू शिवाच विधायक मोदीनगर ,बसंत त्यागी , चौ. चेनपाल सिंह जिलाध्यक्ष गाजियाबाद, सतपाल प्रधान, ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, अनिल त्यागी, अमित चौधरी, देवेंद्र डायमंड, पवन सोम, नवेन्द्र गॉड,राजन चौधरी, सतेन्द्र त्यागी, सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद राजकुमार सांगवान ने की ईएसआई अस्पताल को ट्रॉमा सेंटर बनाने की मांग

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। बागपत लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजकुमार सांगवान ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। सांसद ने ईएसआईएस अस्पताल मोदीनगर को अति विशिष्ट एक्सीडेंट एंड ट्रॉमा सेंटर बनाने की मांग की।

सांसद ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि ये अस्पताल वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा संचालित है, के बारे में निम्न तथ्यों को आपके समक्ष रखना चाहूंगा। ई० एस० आई० एस० अस्पताल, मोदीनगर एक समय फ्लैगशिप अस्पताल हुआ करता था। किन्तु पूर्ववर्ती राज्य सरकार द्वारा इस पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया, जिससे इसमें मूलभूत सुविधाएं जैसे कि विशेषज्ञ डॉक्टर, सर्जन, नर्सिंग स्टाफ, टेक्नीशियन, लैबोरेटरी सुविधाएं, रेडियोलॉजी की सुविधाएं, दवाइयों के साथ-साथ बिल्डिंग के रख-रखाव में निरंतर कमी आती रही। जिससे आम जन के साथ-साथ बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों का ई० एस० आई० के प्रति भरोसा उठ गया। बीमित व्यक्तियों एवं फैक्ट्री संचालकों,संस्थानों को ई० एस० आई० से होने वाले सभी प्रकार के हितलाभ व सामाजिक सुरक्षा का प्रचार-प्रसार मोदीनगर सहित सम्पूर्ण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में न होना। ई० एस० आई० द्वारा दिए जाने वाले आर्थिक हितलाभ का दूरस्थ कार्यालय होना एवं देरी से मिलना। ऐसी स्थिति में बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों को राजधानी दिल्ली करीब होने के कारण स्वास्थ्य हित एवं जीवन रक्षा हेतु से ई० एस० आई० अस्पताल, मोदीनगर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बीमित व्यक्तियों में कमी आयी है। अतः आपसे अनुरोध है कि मोदीनगर के इस अस्पताल को ई० एस० आई० सी० के अधीन कर ई० एस० आई० सी० एकीकृत अति विशिष्ट एक्सीडेंट एंड ट्रॉमा सेंटर में तब्दील किया जाए, जो कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना कार्ड एवं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति में दिए जाने वाले आर्थिक सहयोग की धनराशि का उपयोग कर 50 प्रतिशत आमजन एवं 50 प्रतिशत बीमित व्यक्तियों एवं उनके आश्रितों को चौबीसों घंटे गंभीर देखभाल, सभी आपातकालीन सर्जरी व सभी सम्बंधित जांचें उपलब्ध कराने वाला अस्पताल हो। यह कदम निश्चय ही बहुत दूरगामी परिणाम देने वाला एवं मील का पत्थर साबित होने वाला होगा। साथ ही इसके संचालन में ई० एस० आई० सी० को अतिरिक्त आर्थिक बोझ का भी सामना नहीं करना पड़ेगा।

एसआरएम विश्वविद्यालय में 'स्टूडेंट फॉर वन नेशन वन इलेक्शन' विषय छात्र संसद का आयोजन किया गया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। एस आर एम विश्वविद्यालय में 13 नवंबर 2025 को स्टूडेंट फॉर वन नेशन वन इलेक्शन' विषय छात्र संसद का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक विशेष रूप से शिरकत करेंगे।

मेरठ कमिश्नरी के प्रत्येक नौ जिलों के प्रमुख डिग्री व इंटर कॉलेजों के चयनित छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। छात्र संसद का स्वरूप संसद की तरह होगा और सभी प्रक्रियाँ यथार्थ रूप में प्रस्तुत की जाएंगी। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रयास पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिसके लिए निर्णायक मंडल में पूर्व न्यायाधीश व वरिष्ठ पत्रकार शामिल होंगे।इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था, संवाद, विधायी प्रक्रिया और भारतीय संसद की कार्यप्रणाली का अनुभव प्रदान करना है। प्रेस कॉनफेन्स में वन नेशन वन इलेक्शन के अभिषेक कौशिक, हंस चौधरी प्रदेश सह संयोजक, जिला समन्वयक दिनेश सिंघल जी क्षेत्रीय सह संयोजक प्रज्जवल चौहान, जिला सह संयोजक विपुल शर्मा, भारतीय जानता युवा मौर्चा पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष सुखविन्द्र सोम व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिपद पूर्व विभाग सह संयोजक विजय ठाकुर उपस्थित रहे।

उत्थान फाउंडेशन ने वोकल ट्रांसलेशन प्रतियोगिता का किया आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार और विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा पर पकड़ मजबूत करने के उद्देश्य से उत्थान फाउंडेशन द्वारा बढ़ते कदम योजना के अंतर्गत आज वोकल ट्रांसलेशन प्रतियोगिता का आयोजन श्री अंबेडकर लाइब्रेरी, मोदीनगर में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता ने बच्चों में भाषा के प्रति उत्सुकता, सीखने की ललक और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अंग्रेजी बोलने और समझने की क्षमता विकसित करना था। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को 50 वाक्यों को अंग्रेजी में अनुवाद करने का अवसर दिया गया, जिससे उनकी शब्दावली, उच्चारण और वाक्य विन्यास को समझने में सहायता मिली। उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने बताया कि ग्रामीण व शहरी दोनों पृष्ठभूमि के कई बच्चे अंग्रेजी बोलने में संकोच महसूस करते हैं।

मोदी आईफा आर्ट गैलरी मैं कला प्रदर्शनी का उद्घाटन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। गैलेड बिल्डिंग स्थित मोदी आर्ट गैलरी में इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन आईफा के शिक्षक गढ़ प्रशांत झा व शीतल रानी एवं छात्राएं मेघा दीक्षित एवं कशिश ने कला प्रदर्शनी का आयोजन किया इस प्रदर्शनी का उद्घाटन सुरेश मीणा(मोदी पैकेजिंग इंडस्ट्रीज, प्रोफेसर डॉ. अलका तिवारी (कोऑर्डिनेटर फाइन आर्ट्स चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ), काजी एम राघीब(प्रसिद्ध आर्ट डायरेक्टर एवं आर्ट क्रिटिक) सीताराम मीणा (रिटायर्ड आई.ए.एस) राजीव कुमार शो (सीनियर एग्जीक्यूटिव इंडिया टीवी) इन सभी विशिष्ट अतिथियों ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया।विशिष्ट अतिथियों ने प्रत्येक कलाकृति को बारीकी से देखा एवं कलाकारों ने अपनी कलाकृति के बारे में जानकारी दी अतिथियों ने कलाकारों की प्रशंसा की एवं कलाकारों का मनोबल बढ़ाया। कला प्रदर्शनी में बेस्ट मटेरियल से निर्मित बहुत ही बहुत ही सुंदर आकर्षक स्कल्पचर प्रदर्शित थे जो अतिथियों एवं दर्शकों मन मोह रहे थे।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान के मैनेजर डॉ. संघर्ष शर्मा एवं डॉ. रुचि विद्यार्थी ने सभी विशिष्ट अतिथियों एवं मीडिया प्रभारीयों को गले में शॉल डालकर एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया कार्यक्रम का संचालन अवनी ने किया यह प्रदर्शनी दर्शकों के लिए सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक खुली रहेगी इस अवसर पर भाजपा नेता प्रदीप बॉस, आर.सी शर्मा उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारी भौतेंद्र कुमार, अमित कुमार बंसल, डॉ. रूचि विद्यार्थी, प्रीति शर्मा, प्रशांत झा, शीतल रानी, दीपांशु, रीता घोष, अंजलि रानी, स्वीटी, आभा शर्मा, पलक आदि का भरपूर सहयोग रहा ।

के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल के 'जागृति मैदान' में वार्षिक समारोह

विद्यार्थी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ें: डॉ. ऋषिकेशा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉक्टर के.एन. मोदी ग्लोबल स्कूल के' जागृति मैदान' में वार्षिक समारोह ' जिन्दगी डॉट कॉम '2025 बड़े हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति ने पूरे माहौल को उल्लास मय बना दिया। शाम को सफल बनाने के लिए मोदी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर डी.के .मोदी ने शुभकामनाएं दीं।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की भूमिका डॉक्टर के. एन .मोदी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर पी एन ऋषिकेशा ने कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा शर्मा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों की उपलब्धियो और विद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य विश्व में शिक्षा का परचम लहराने के साथ-साथ उन्हें तकनीकी शिक्षा देना भी है।

उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों के विकास पर भी बल दिया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. पी एन ऋषिकेशा ने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्यार्थियों को मेहनत अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ-साथ जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों और प्रबंधन समिति को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की ।इस अवसर पर मोदी फाउंडेशन के उपाध्यक्ष कैप्टन राजीव सक्सेना , मेघराज शर्मा जी, दीपांकर शर्मा, यू.एन. मिश्रा, डायरेक्टर्स एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रधानाचार्य और गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इसी श्रृंखला में 'मस्ती की पाठशाला' में विद्यार्थियों ने स्कूली जीवन की चंचलता और मित्रता के जोश को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। इन कार्यक्रमों में तेरी उंगली पड़कर' और 'बादल पर पांव' जैसी कोमल प्रस्तुतियों ने मां बेटे के स्नेह और बचपन की मासूमियत को सुंदरता से मंचित किया। लुका छुपी "तारे जमीन' की भावनात्मक प्रस्तुति से दर्शकों की आंखें नम हो गई। इसके साथ ही 'बम - बम भोले' के ऊजार्वान नृत्य से दर्शकों में जोश आ गया । 'गलती से मिस्टेक' और 'मस्ती की पाठशाला' जैसी प्रस्तुतियों ने हास्य और मनोरंजन से भरे क्षण दिए। आध्यात्मिक माहौल 'आदि योगी' और 'तुझ में रब दिखता है' जैसी प्रस्तुतियों में देखने को मिला। वही 'कमांडो' ड्रिल' ने अनुशासन तालमेल और टीम भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय समन्वयक प्रशांत कुमार शुक्ला ने भावपूर्ण धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विद्यालय प्रबंधन समिति ,अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक मूल्यों का संचार करते हैं। कार्यक्रम आशिमा त्यागी, चंचल मित्तल, ज्योति कौर, भारती दारूका, विकास बाबा और सुभाष तेवतिया की देखरेख में संपन्न हुआ। मंच का संचालन अद्रिका, संयम विद्यार्थी नेत्रा ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।